पटना ●शनिवार, 16 नवंबर 2024 मूल्यः 5:00, पृष्ठः 8 वर्षः 5, अंकः302 www. bordernewsmirror@gmail.com 9471060219, 9470050309

BORDER NEWS MIRROR BNM to the point...

राष्ट्रीय द्विभाषिक समाचार पत्र

RNI N.- BIHBIL/2022/88070

बॉर्डर न्यूज मिरर

"खबरों से समझौता नहीं"

नालंदा ज्ञान कुंभ कलश रथयात्रा... 3 www. bordernewsmirror.com फिल्म कंगुवा के योलो -यू... 7

अब ट्रैफिक संभालते नजर आएंगे ट्रांसजेंडर्स

स्पेशल यूनिफॉर्म और मिलेगी अच्छी सैलरी, रेड्डी सरकार का बड़ा फैसला

हैदराबाद (एजेंसी)। हैदराबाद में ट्रैफिक वालंटियर्स के तौर पर ट्रांसजेंडरों की नियुक्ति होने वाली है। तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने गुरुवार को यह निर्देश जारी किया। मुख्यमंत्री कार्यालय के अनुसार, होम गार्ड के समान ही ट्रांसजेंडरों के लिए स्पेशल ड्रेस कोड होगा और उन्हें निश्चित वेतन दिया जाएगा। फिलहाल, यह भर्ती प्रयोग के तौर पर जा

रही है। माना जा रहा है कि इससे शहर में यातायात उल्लंघन के बढ़ते मामलों को कम करने में मदद मिलेगी। ड्रंक ड्राइविंग चेकप्वॉइंट्स और दूसरे हाई-ट्रैफिक इलाकों में इनकी तैनाती की जाएगी, जो काफी कारगर साबित हो सकती है। मुख्यमंत्री कार्यालय से जारी विज्ञप्ति में कहा गया, तेलंगाना के सीएम रेवंत रेड्डी ने अधिकारियों को हैदराबाद शहर में बढ़ती यातायात समस्याओं पर चिंता जताई। इसके समाधान के लिए उन्होंने यातायात स्वयंसेवकों के रूप में ट्रांसजेंडरों की नियुक्ति करने का आदेश दिया। मुख्यमंत्री रेड्डी ने अधिकारियों से निर्देश दिया कि पहले चरण में हाई-ट्रैफिक जोन्स में ट्रांसजेंडरों को तैनात किया जाए।

प्रदूषण इफेक्ट! कुछ पहले आएंगे ऑफिस, कुछ बाद में

दिल्ली में बदली गई सभी सरकारी दफ्तरों की टाइमिंग

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रीय राजधानी में लगातार गंभीर होते जा रहे प्रदूषण को देखते हुए दिल्ली सरकार ने सरकारी दफ्तरों के समय में बदलाव किया है। जिसके चलते नगर निगम, केंद्र सरकार और दिल्ली सरकार के ऑफिसों में अलग-अलग समय पर कामकाज होगा। इस बात की जानकारी खुद मुख्यमंत्री आतिशी ने शुक्रवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर दी। आतिशी ने ट्वीट करते हुए बताया कि, 'सड़कों पर ट्रैफिक जाम और उससे जुड़े प्रदूषण को कम करने के लिए अब दिल्ली के सरकारी कार्यालय अलग-अलग समय पर खुलेंगे। इसके बाद

उन्होंने अलग-अलग विभागों के कार्यालयों के समय में किए गए बदलाव को भी बताया। नई व्यवस्था के तहत दिल्ली नगर निगम के ऑफिस सुबह साढ़े आठ बजे से शाम पांच बजे तक खुलेंगे। इसके अलावा केंद्र सरकार के दफ्तर का समय सुबह नौ बजे से शाम साढ़े पांच बजे तक रहेगा। वहीं दिल्ली सरकार के कार्यालयों का वक्त सुबह दस बजे से शाम साढ़े छह बजे तक रहेगा। इससे एक दिन पहले दिल्ली सरकार ने बढ़ते प्रदूषण को देखते हुए पांचवीं तक के स्कूलों को अगले आदेश तक बंद करने का फैसला किया था और सिर्फ ऑनलाइन कक्षाएं चलाने का निर्देश दिया था।

पृथ्वी की तरफ तेजी से बढ़ रहा 'अंतरिक्ष का हत्यारा'

वैज्ञानिकों ने दी 'भूकंप' की चेतावनी, भयंकर विस्फोट की आशंका

वाशिंगटन (एजेंसी)। अंतरिक्ष आज भी वैज्ञानिकों के लिए पहेली बना हुआ है। पृथ्वी के अलावा ब्रह्मांड में असंख्य ग्रह और क्षुद्रग्रह हैं। वैज्ञानिकों ने चेतावनी जारी करते हुए कहा कि एक क्षुद्रग्रह अपोसिस धरती की तरफ तेजी से बढ़ रहा है। ऐसा अनुमान जताया गया है कि जब यह धरती के नजदीक होगा तो गुरुत्वार्षण के कारण खगोलीय भूकंप आ

सकता है, जो कई परमाणु बमों के विस्फोट से निकली ऊर्जा के बराबर होगा। वैज्ञानिक पिछले 20 साल से इस क्षुद्रग्रह का अध्ययन कर रहे हैं। क्षुद्रग्रह के 13 अप्रैल 2029 में धरती के पास से गुजरने की संभावना है। इसे तबाही का देवता या अंतरिक्ष का हत्यारा उपनाम दिया गया है। वैज्ञानिकों ने इस क्षुद्रग्रह की खोज 2004 में की थी। तब से खगोलविद अपोफिस पर बारीकी से नजर रख रहे हैं। वैज्ञानिकों का अनुमान है कि 2029 में यह धरती के पास से होकर गुजरेगा। वैज्ञानिकों ने यह भी बताया कि इसके धरती से टकराने की संभावना 2.7 प्रतिशत है। जॉन्स हॉपकिंस यूनिवर्सिटी के वैज्ञानिक बारीकी से नजर रख रहे हैं।

हो जाएं तैयार, आ रही है कंपकंपाने वाली ठंड!

नई दिल्ली (एजेंसी)। उत्तर भारत में तापमान में धीरे-धीरे कमी आ रही है। अब मौसम विभाग ने बताया है कि उत्तर पश्चिम, मध्य, पूर्वी और पश्चिमी भारत में अगले पांच दिनों में न्यूनतम तापमान में दो से तीन डिग्री सेल्सियस की गिरावट दर्ज की जाएगी। यानी कि ठंड आने वाली है। बिहार, पंजाब, हरियाणा, उत्तर पश्चिम राजस्थान में अगले दो दिनों तक सुबह और रात के समय घने से बहुत घना कोहरा देखने को मिलने जा रहा है। इसके साथ ही, उत्तर प्रदेश के पूर्वी इलाकों में भी अगले दो दिनों तक बहुत घना कोहरा पड़ने की चेतावनी जारी की गई है। पिछले 24 घंटे के मौसम की बात करें तो केरल, तमिलनाडु में भारी बारिश हुई।

तीन डिग्री तक कम होगा पारा, चेतावनी भी जारी

इसके अलावा, पंजाब, हरियाणा में घना कोहरा

छाया। साथ ही, चंडीगढ़, पूर्वी बिहार, पूर्वी उत्तर प्रदेश में भी घना कोहरा देखने को मिला। बारिश की बात करें तो दक्षिण भारत में 15-17 नवंबर के बीच हल्की से मध्यम बारिश होगी। साथ ही, आंधी तूफान व बिजली कड़कने की भी चेतावनी जारी की गई है। वहीं, जम्मू-कश्मीर, उत्तरी पंजाब के इलाकों में आज हल्की बारिश होगी। तमिलनाडु, कराईकल, तटीय आंध्र प्रदेश, रायलसीमा में 15 नवंबर, केरल, माहे में 15 और 16 नवंबर को तेज बारिश देखने को मिलेगी। पंजाब, हरियाणा, बिहार में 17 नवंबर की सुबह तक, पूर्वी उत्तर प्रदेश में 16 नवंबर की सुबह तक घने से बहुत घना कोहरा देखने को मिलेगा। वहीं, पश्चिमी राजस्थान, बिहार में 18 की सुबह तक, हिमाचल प्रदेश में 17-19, उत्तर प्रदेश, सब हिमालयी पश्चिम बंगाल, सिक्किम में 17 नवंबर की सुबह तक बहुत घना कोहरा छाया रहेगा।

नाबालिग पत्नी से

सहमति से संबंध बनाना भी माना जाएगा अपराध

मुंबई (एजेंसी)। बॉम्बे हाइकोर्ट की नागपुर बेंच ने कहा कि 18 साल से कम उम्र की पत्नी के साथ शारीरिक संबंध को रेप माना जाएगा। व्यक्ति के खिलाफ रेप का मामला भी दर्ज किया जा सकता है। कोर्ट ने नाबालिग पत्नी के साथ रेप के आरोपी एक व्यक्ति की 10 साल की सजा को बरकरार रखा। अदालत ने कहा नाबालिग पत्नी के साथ सहमति से शारीरिक संबंध भी कानून के तहत बलात्कार ही माना जाएगा। अपीलकर्ता को 2019 में ट्रायल कोर्ट ने पाक्सो एक्ट के तहत दोषी ठहराया था। इसके बाद उसने हाईकोर्ट में अपील की थी। जस्टिस गोविंद सनप की बेंच ने पत्नी के साथ रेप के लिए एक व्यक्ति की सजा को बरकरार रखते हुए उसकी दलील को खारिज कर दिया। दोषी का तर्क था कि पीड़ित के साथ यौन संबंध सहमति से बनाए थे। उस समय वह उसकी पत्नी थी। ऐसे में इसे रेप नहीं कहा जा सकता। जानकारी के अनुसार 12 नवंबर को जारी आदेश में जस्टिस सनप ने कहा, निर्धारित कानून के मद्देनजर यह बात स्वीकार नहीं की जा सकती।

बॉम्बे हाईकोर्ट का बड़ा फैसला, 10 साल की सजा भी रखी बरकरार

पीओके में नहीं जाएगी ट्रॉफी... आईसीसी का साफ इनकार

टूर्नामेंट से पहले पाकिस्तान को बड़ा झटका, भारत का दिखा पावर

आईसीसी ने पीओके के तीन शहरों में ट्रॉफी ले जाने से किया मना

नई दिल्ली (एजेंसी)। चैंपियंस ट्रॉफी पाकिस्तान में आयोजित की जाएगी या नहीं अभी इस बात पर विवाद है, जबकि दूसरी ओर पाकिस्तान ने पूरे देश में ट्रॉफी घुमाने का ऐलान कर दिया था। इस पर अब अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) एक्शन लेते हुए उसे पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर यानी पीओके के तीन शहरों में ट्रॉफी ले जाने से मना कर दिया है। बता दें कि भारत ने टीम को चैंपियंस ट्रॉफी खेलने के लिए पाकिस्तान भेजने से मना कर दिया है। इसके बाद माना जा रहा है कि अगर पाकिस्तान तैयार होता है तो

टूर्नामेंट हाईब्रिड मॉडल से खेला जाएगा, यानी भारत के सभी मैच पाकिस्तान से बाहर होंगे, जबकि फाइनल भी पाकिस्तान में नहीं खेला जाएगा।

इस बीच पाकिस्तान ने एक दिन पहले ही ट्रॉफी अपने देश में घुमाने का ऐलान किया था। इस पर आईसीसी हरकत में आ गई है। दूसरी ओर, आईसीसी ने अभी चैंपियंस ट्रॉफी के अंतिम कार्यक्रम की घोषणा नहीं की है, लेकिन उसने ट्रॉफी पाकिस्तान भेजी है।

महाराष्ट्र के हिंगोली में शाह के हेलीकॉप्टर की हुई जांच

हिंगोली (एजेंसी)। महाराष्ट्र के हिंगोली में शुक्रवार दोपहर गृह मंत्री अमित शाह के हेलीकॉप्टर की जांच हुई। इलेक्शन कमिशन के अधिकारियों ने शाह के हेलीकॉप्टर की जांचा और उसमे रखा सामान भी खोलकर देखा। पूरी जांच की वीडियोग्राफी भी कराई गई। वहीं, शाह ने भी इस चेकिंग के वीडियो को एक्स पर पोस्ट किया। उन्होंने लिखा- आज महाराष्ट्र के हिंगोली विधानसभा क्षेत्र में चुनाव प्रचार के दौरान चुनाव आयोग के अधिकारियों ने मेरे हेलीकॉप्टर की जांच की। भाजपा निष्पक्ष चुनाव और स्वस्थ चुनाव प्रणाली में विश्वास करती है और माननीय चुनाव आयोग के बनाए गए सभी नियमों का पालन करती है। उन्होंने लिखा- हम सभी को एक स्वस्थ चुनाव प्रणाली में योगदान देना चाहिए और भारत को दुनिया का मजबूत लोकतंत्र बनाना चाहिए।

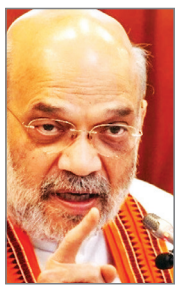

जमुई में फिर बोले नीतिश, अब कहीं नहीं जाऊंगा

प्रधानमंत्री मोदी की सभा में किया ऐलान, पहले भी खा चुके हैं ऐसी कसम

पीएम ने की 6 हजार 640 करोड़ के प्रोजेक्ट्स की शुरुआत, नगाड़ा बजाया

जमुई (एजेंसी)। पीएम नरेंद्र मोदी तीन दिन में दूसरी बार बिहार आए। जमुई के बल्लोपुर में शुक्रवार को वो भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती पर जनजातीय गौरव दिवस कार्यक्रम में शामिल हुए। पीएम ने बिरसा मुंडा के नाम पर 150 रुपए का सिक्का और 5 रुपए का स्मारक डाक टिकट जारी किया है। पीएम ने ये स्मारक सिक्का और डाक टिकट बिरसा मुंडा के वंशज को भेंट भी किया। इस दौरान पीएम ने 6,640 करोड़ रुपए से अधिक की योजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। इसके अलावा दो जनजातीय फ्रीडम फाइटर म्यूजियम और दो जनजातीय रिसर्च सेंटर का उद्घाटन भी किया।

40 मिनट के भाषण में आदिवासियों पर फोकस- नीतिश कुमार के बाद पीएम मोदी मंच पर पहुंचे। करीब 40 मिनट के भाषण में प्रधानमंत्री ने आदिवासियों पर फोकस किया। परिवारवाद और आदिवासियों की अनदेखी को लेकर पिछली सरकारों को घेरा। नीतिश कुमार की तारीफ भी की। इस दौरान नीतिश कुमार ने एक बार फिर दोहराया कि अब वह कहीं नहीं जाएंगे। पीएम मोदी ने कहा कि आदिवासी समाज वो है, जिसने राजकुमार राम को भगवान राम बनाया। आदिवासी समाज ने

भारत की संस्कृति और आजादी की रक्षा के लिए, सैकड़ों सालों की लड़ाई को नेतृत्व दिया। आजादी के बाद के दशकों में आदिवासी इतिहास के योगदान को मिटाने के लिए कोशिश की गई। इसके पीछे भी स्वार्थ भरी राजनीति थी।

● **हमारी सरकार ने आदिवासी कल्याण मंत्रालय बनाया-** पीएम ने कहा कि पहली बार अटल बिहारी वाजपेयी की सरकार में ही अलग से आदिवासी कल्याण मंत्रालय बना। पहले आदिवासियों के लिए 25 हजार करोड़ से भी कम का बजट था। हमारी सरकार ने इसे 5 गुना बढ़ाकर सवा लाख करोड़ तक पहुंचाया। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार ने आदिवासी विरासत को संरक्षित करने के लिए कई कदम उठाए हैं। आदिवासी कला और संस्कृति के लिए समर्पित कई लोगों को पद्म आदिवासी कला और संस्कृति के लिए समर्पित कई लोगों को पद्म पुरस्कारों से सम्मानित किया गया है। हमने रांची में भगवान बिरसा के नाम पर एक विशाल संग्रहालय शुरू किया है। आज श्रीनगर और सिक्किम में दो आदिवासी अनुसंधान केंद्रों का भी उद्घाटन किया गया है। पीएम ने कहा कि एनडीए सरकार ने लेह में सोवा रिग्पा, अरुणाचल में नॉर्थ ईस्टर्न इंस्टीट्यूट ऑफ आयुर्वेद स्थापित किया।

यूपी पीसीएस प्री परीक्षा की नई तारीख हो गई जारी

22 दिसंबर को एक दिन में होगा एग्जाम, आरओ, एआरओ टालना भी तय

प्रयागराज (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग ने पीसीएस 2024 की प्रारंभिक परीक्षा की तारीख का ऐलान कर दिया है। आयोग ने परीक्षा की अब नई तारीख जारी की है। आयोग परीक्षा की तारीख का नोटिस जारी करते हुए कहा, सात और आठ दिसंबर को होने वाली पीसीएस प्री परीक्षा अब 22 दिसंबर को एक ही दिन कराई जाएंगी। पहली पाली सुबह साढ़े नौ बजे से साढ़े 11 बजे तक और दूसरी पाली दोपहर के ढाई बजे से साढ़े चार बजे तक परीक्षा आयोजित की जाएगी। आयोग के इस फैसले के बाद से माना जा रहा है कि आरओ और एआरओ परीक्षा की तारीखों में भी बदलाव किया जा सकता है। ये परीक्षा पहले 22 और 23 दिसंबर को होनी थी। बता दें कि छात्र आंदोलन के कारण पीसीएस 2024 प्रारंभिक परीक्षा दो की बजाय एक दिन में कराने के फैसले के बाद अब सात और आठ दिसंबर को होनी वाले एग्जाम को टाल दिया गया था। परीक्षा टाले जाने को लेकर एक दिन पहले ही नोटिफिकेशन भी जारी किया जा चुका है। एक दिन में परीक्षा कराने की घोषणा के बाद यह निर्णय हुआ है।

महाराष्ट्र में 23 नवंबर से शुरू होगा असली 'खेला'

सीएम पोस्ट के लिए 'म्यूजिकल चेयर' की शुरू होगी दौड़

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में महायुति और महाविकास अघाड़ी के बीच ताबड़तोड़ 'बयानों के बाण' चलाए जा रहे हैं। हेलीकॉप्टर चेकिंग, बाल ठाकरे, अडाणी, कटेंगे तो बंटेंगे जैसे नारों से चुनावी समर सज चुका है। अभी असली लड़ाई बाकी है, जो 23 नवंबर को चुनाव परिणाम के बाद शुरू होगा। एक्सपर्ट मानते हैं कि चुनाव के बाद सत्ता किसी भी पक्ष को मिले, सीएम की कुर्सी के लिए राजनीतिक उलटफेर के लिए स्टेज भी तैयार हो गया है। दोनों गुटों में सीएम पोस्ट के लिए कई दावेदार हैं और चुनावी भाषणों में भी इसके संकेत मिलने लगे हैं। गृह मंत्री अमित शाह ने एक रैली में कहा कि महाराष्ट्र को नरेंद्र मोदी और फड़णवीस पर भरोसा है।

● **अब दोबारा डिप्टी नहीं बनेंगे देवेंद्र फड़णवीस-** महायुति में भी मुख्यमंत्री की कुर्सी भी पार्टियों को घनचक्कर बनाने वाली है। महायुति के नेता सीएम पद को लेकर बोलने से बच रहे हैं, मगर गठबंधन में सीएम पद के तीन दावेदार हैं। एनसीपी प्रमुख अजित पवार खुले तौर पर सीएम बनने की इच्छा जाहिर कर चुके हैं। सीएम बनने के बाद डिप्टी सीएम बनने वाले देवेंद्र फड़णवीस भी बता चुके हैं कि वह एकनाथ शिंदे के डिप्टी बनने के लिए तैयार नहीं थे। पार्टी के आदेश पर उन्होंने सरकार संभालने के लिए अंतिम समय में जूनियर पोस्ट को कबूल किया था।

संक्षिप्त समाचार

औराई वालों के लिए खुशखबरी, बागमती नदी पर बनेगा पुल, शहर से कम हो जाएगी दूरी

मुजफ्फरपुर, एजेंसी। मुजफ्फरपुर जिला से औराई प्रखंड की दूरी कम करने को लेकर बहुप्रतीक्षित रहा हथौड़ औराई एवं बागमती नदी पर उच्च स्तरीय पुल निर्माण को लेकर राज्य कैबिनेट ने गुरुवार को प्रशासनिक स्वीकृति दे दी है. स्वीकृति मिलने के उपरांत गुरुवार का दिन औराई के इतिहास के लिए स्वर्णिम दिन रहा. प्रशासनिक स्वीकृति मिलने के उपरांत अब औराई के लोगों को मुजफ्फरपुर जाने के लिए 52 किलोमीटर के स्थान पर महज 28 किलोमीटर की दूरी तय करनी पड़ेगी. राज्य कैबिनेट ने गरहां एनएच 57 हथौड़ी- अतरार- बभनगावां- औराई 21.30 किलोमीटर व बागमती नदी पर अतरार से लेकर बभनगावां तक 3.35 किमी उच्च स्तरीय पुल के निर्माण कार्य के लिये आठ सौ चौदह करोड़ की प्रशासनिक स्वीकृति दी है.

इस बहुप्रतीक्षित सड़क व पुल की स्वीकृति

मिलते ही गुरुवार को क्षेत्र में हर्ष की लहर है. सड़क व पुल के निर्माण को लेकर औराई के लोगों ने लंबे समय तक संघर्ष किया है. बागमती नदी पर अतरार से बभनगावां तक पुल निर्माण न होने से औराई प्रखंड के करीब एक दर्जन पंचायत के लोगों को प्रखंड मुख्यालय पहुंचने के लिए वर्तमान में 35 से 40 किलोमीटर की यात्रा करनी पड़ती है, जो कि अब महज 6 से 7 किलोमीटर की यात्रा कर प्रखंड मुख्यालय पहुंच सकेंगे. वहीं अब औराई प्रखंड समेत सीतामढ़ी व दरभंगा जिला के लोगों को भी मुजफ्फरपुर जाना सुगम हो जायेगा. प्रशासनिक स्वीकृति मिलने के बाद विधायक रामसूरत कुमार ने प्रेस रिलीज जारी कर इसे औराई की जनता की जीत बताते हुए अपना वादा पूरा करने की बात कही. उन्होंने कहा कि इस सड़क व पुल का निर्माण कराना हमारे लिए चुनौती था, जिसे हमने जनता के हित में कर दिखाया है.

जनवरी के दूसरे हफ्ते तक तैयार हो जायेगा मीठापुर-महुली एलिवेटेड रोड

पटना, एजेंसी। बीएसआरडीसीएल के एमडी शीर्षत कपिल अशोक ने गुरुवार को मीठापुर-महुली के फेज-1 और गोप घाट-दीदारगंज आरओबी के कार्यों का निरीक्षण किया. साथ ही इन कार्यों को गुणवत्तापूर्ण तरीके से समय सीमा में पूरा करने का निर्देश दिया. शीर्षत कपिल अशोक ने भूपतिपुर रैंप का निरीक्षण किया. भूपतिपुर में एक गोलंबर का निर्माण किया जायेगा. इसके बाद 400 मीटर फोरलेन सड़क के साथ 600 मीटर का रैंप का निर्माण किया जायेगा. यह रैंप पिलर नंबर-10 पर जाकर जुड़ेगा. उन्होंने कहा कि अधिकारियों को जनवरी के दूसरे हफ्ते तक बचे कार्यों को पूरा करने का निर्देश दिया गया है. इसके बनते ही भूपतिपुर से महुली तक एलिवेटेड रोड से जाने का रास्ता साफ हो जायेगा. महुली से पुनपुन तक फोरलेन रोड पर फरवरी से दौड़ेंगी गाड़ियां : महुली के पास समाप्त होने वाले इस एलिवेटेड रोड से पुनपुन तक करीब 2.2 किमी लंबाई में फोरलेन रोड का निर्माण भी जनवरी के अंत तक पूरा करने का अधिकारियों को निर्देश दिया.

पीएम मोदी ने बिरसा मुंडा के नाम का सिक्का और डाक टिकट जारी किया

जमुई, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शुक्रवार को बिहार के जमुई पहुंचे. पीएम मोदी ने भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती वर्ष समारोह की शुरुआत की और जनजातीय गौरव दिवस पर एक स्मारक सिक्के और डाक टिकट का अनावरण किया. पीएम मोदी का यहां गर्मजोशी से स्वागत किया गया. बिरसा मुंडा के नाम पर डेढ़ सौ रुपये का चांदी का सिक्का जारी किया गया. इस दौरान पीएम नरेंद्र मोदी ने सभा को संबोधित भी किया. उन्होंने एनडीए सरकार के द्वारा आदिवासियों के लिए किए गए कामों के बारे में बताया. वहीं विपक्ष पर भी निशाना साधा.

कार्यक्रम मंच पर पहुंचे पीएम नरेंद्र मोदी का बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने शहीद तिलकामांझी की प्रतिमा सौंपकर किया. पीएम ने भारत माता की जयघोष के साथ अपने भाषण की शुरुआत की. उन्होंने भगवान बिरसा मुंडा का नारा कार्यक्रम में उपस्थित लोगों से लगवाया. पीएम ने कहा कि हमें खुशी है कि बीजेपी परिवार में आज सबसे वरिष्ट नेता करिया मुंडा जी हैं. वो आज भी हमलोगों का मार्गदर्शन करते हैं. पीएम ने कहा कि आज का दिन इसलिए भी देश के लिए ऐतिहासिक है क्योंकि कार्तिक पूर्णिमा, देवदीपावली भी है और गुरुनानक जी का 555वां प्रकाश पर्व भी है. सभी देशवासियों को पीएम ने इन पर्वों की बधाई दी.

पीएम ने कहा कि आज भगवान बिरसा मुंडा की जन्म जयंती है. राष्ट्रीय जनजातीय गौरव दिवस है. इसलिए भी यह दिन खास है. इसके लिए पूरे देश और खासकर आदिवासी समाज को पीएम ने विशेष बधाई दी. पीएम ने कहा कि मुझे मालूम चला कि जमुई ने बड़े पैमाने पर हाल में स्वच्छता का अभियान चलाया गया. पीएम ने जमुई के लोगों की तारीफ की.

पीएम ने कहा कि मैं उस धरती पर आज आया हूं जिसने शहीद तिलकामांझी के शौर्य को देखा है. लेकिन इसबार का आयोजन और भी खास है. आज से पूरे देश में भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जन्म जयंती का उत्सव शुरू हुआ है जो अगले एक साल तक चलेगा. पीएम ने कहा कि आजादी के बाद आदिवासी समाज के योगदान को इतिहास में वो जगह नहीं दी गयी जिसका ये समाज हकदार था. पीएम ने कहा कि भारत की संस्कृति और आजादी की रक्षा के लिए सैकड़ों वर्षों की लड़ाई को नेतृत्व दिया. लेकिन आजादी के बाद राजनीति स्वार्थ के लिए इस योगदान को मिटाने की कोशिश की गयी.

जमुई में जब आदिवासी पारंपरिक वाद्य-यंत्र बजाने लगे नरेंद्र मोदी, ड्रम बजाते भी दिखे प्रधानमंत्री

जमुई, एजेंसी। पीएम नरेंद्र मोदी शुक्रवार को तय कार्यक्रम के तहत बिहार के जमुई पहुंचे. जमुई के बल्लोपुर में जनजातीय गौरव दिवस समारोह में पीएम मोदी ने भाग लिया. बिरसा मुंडा की 150 वीं जयंती के मौके पर पीएम बल्लोपुर पहुंचे हैं. जहां उनके स्वागत की भव्य तैयारी की गयी थी. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का हेलीकॉप्टर बल्लोपुर स्थित हेलीपैड पर लैंड किया. आदिवासी पारंपरिक नृत्य के साथ पीएम का गर्मजोशी से स्वागत किया गया. इस दौरान पीएम नृत्य कर रहे कलाकारों से मिलते-जुलते, उनसे बातचीत करते और उनके वाद्य-यंत्र को खुद भी बजाते दिखे.

पीएम नरेंद्र मोदी जमुई के बल्लोपुर में जब कार्यक्रम स्थल पर पहुंचे तो आदिवासी पारंपरिक नृत्य के साथ उनका स्वागत किया गया. कार्यक्रम स्थल तक जाने वाले रास्ते में दोनों ओर कलाकार खड़े थे और पारंपरिक वाद्य-यंत्र के साथ पीएम का स्वागत किया जा रहा था. पीएम ने इस दौरान एक कलाकार से उनके हाथ में मौजूद वाद्य यंत्र मांगा और खुद उसे बजाने लगे. वहीं बिरसा मुंडा की प्रतिमा को भी पुष्प चढ़ाकर उन्होंने नमन किया. पीएम मोदी ने जनजातीय समुदाय के द्वारा लगायी गयी प्रदर्शनी का अवलोकन करने भी गए . जहां 24 से अधिक स्टॉल लगाये गये थे. इस दौरान सीएम नीतीश कुमार भी मौके पर मौजूद रहे. यहां रखे एक ड्रम को बजाने में भी पीएम मोदी ने दिलचस्पी दिखाई और थोड़ी देर ड्रम भी बजाया. सीएम नीतीश कुमार उनकी इस कला को देख रहे थे.

बिहार के इस जिला में बन रहा एशिया का सबसे चौड़ा ब्रिज

11 जिला के लोगों को होगा फायदा

पटना, एजेंसी। बिहार का पहला और एशिया का सबसे चौड़ा 6 लेन केबल ब्रिज बनकर लगभग तैयार हो गया है. एक्स्ट्रा डोजेज स्टे सड़क-पुल पर अप्रैल 2025 से गाड़ियां दौड़ने लगेंगी. ब्रिज के शुरू होने के बाद मोकामा का औंटा और बेगूसराय के सिमरिया के बीच कनेक्टिविटी बढ़ेगी. गंगा नदी पर बन रहे इस पुल का काम करीब 92 प्रतिशत से अधिक पूरा हो गया है. अब फिनिशिंग का काम चल रहा है. संभावना है कि मार्च 2025 से यह पूरी तरह से शुरू हो जाएगा.

यह ब्रिज 1161 करोड़ की लागत से 1.865 किलोमीटर लंबा बन रहा है. इसके दोनों ओर एप्रोच रोड बनाया जा रहा है. एप्रोच रोड और ब्रिज को मिलाकर इसकी लंबाई कुल 8.15 किलोमीटर हो जाएगी. इस ब्रिज का शिलान्यास पीएम नरेन्द्र मोदी ने 2017 में किया था. इसके बाद 11 अगस्त 2018 को वेलस्पन इंटर प्राइजेज के तहत एसपी सिंगला कंट्रक्शन प्राइवेट लिमिटेड की ओर से इस प्रोजेक्ट

का काम शुरू हुआ था.

सिक्स लेन सड़क पुल के दोनों ओर यानी औंटा से हाथीदह और सिमरिया बिंदटोली से राजेन्द्र पुल स्टेशन के पास एनएच-31 तक अन्य प्रोजेक्ट्स भी अंतिम चरण में हैं. इसमें एक रेल ओवर ब्रिज, 2 रेल अंडर ब्रिज और 6 वेकल अंडर ब्रिज शामिल है. हाथीदह जंक्शन के पास ऋह्क्क्का निर्माण जोरों शोरों से चल रहा है. यहां नेशनल हाईवे 80 के ऊपर से एनएच 31 गुजरेगा. केबल पर ही एशिया के सबसे चौड़े ब्रिज का लोड रहेगा. बता दें कि यह पुल नई तकनीक से बन रहा है. इसकी चौड़ाई 34 मीटर होगी, जिससे आवाजाही और अधिक आसान हो जाएगी.

पुल पर दोनों साइड 13-13 मीटर चौड़ी तीन-तीन लेन रहेगी. जबकि दोनों साइड डेढ़ मीटर चौड़ा फुटपाथ का भी निर्माण हो रहा है. जिस पर पैदल, साइकिल या बाइक सवार आसानी से चल सकेंगे. ब्रिज के बनने से उत्तर बिहार (दरभंगा समस्तीपुर, सहरसा, मधुबनी), दक्षिणी बिहार (लखीसराय, शेखपुर, जमुई, नवादा, गया) और पश्चिम बिहार (पटना, आरा, बक्सर) के बीच की दूरी घट जाएगी. बता दें कि, देश की आजादी के बाद जब गंगा नदी पर पुल बनने की बात सामने आई थी, तो सबसे पहला पुल सिमरिया में ही बनाया गया था.

बहन की शादी से एक दिन पहले भाई की चाकू गोदकर हत्या, एक हिरासत में

बेतिया, एजेंसी। बेतिया में कुछ बदमाशों ने एक युवक की हत्या उसके बहन की शादी से एक दिन पहले कर दी है. बदमाशों ने युवक की चाकू गोदकर हत्या की है. हालांकि, घटना के पीछे की वजह अभी स्पष्ट नहीं हो पाया है. पूरा मामला जिले के जगदीशपुर थानाक्षेत्र के खलवा गहरी गांव की है. घटना की सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज अस्पताल भेज दिया. बता दें, पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम करा के परिजनों को सौंप दिया है. साथ ही मामले की जांच में जुट गई है. थानाध्यक्ष राहुल कुमार ने बताया कि मृतक की पहचान खलवा गहरी गांव निवासी रसुल अंसारी के बेटे अब्दुल खालिद के रूप में की गई है. सदर एसडीपीओ टू रजनीशकांत प्रियदर्शी ने मामले को लेकर बताया कि गुरुवार रात युवक के गांव के ही कुछ युवकों ने चाकू गोदकर उसकी हत्या की है. मामले में सदरे आलम नाम के एक युवक को हिरासत में लिया गया है. हिरासत में लिए गए युवक से पुलिस पूछताछ कर रही है. मृतक के परिजनों की तरफ से आवेदन पर एफआईआर दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जाएगी. मृतक के परिजनों ने बताया कि मृतक की बड़ी बहन की शादी आज शुक्रवार को होने वाली है. गुरुवार को मिलाद था. अपनी बहन की शादी की तैयारियों में जुटा था मृतक. इसी बीच कुछ बदमाशों ने चाकू गोदकर उसकी हत्या कर दी और मौके से फरार हो गए. परिजन आनन-फानन में खालिक को लेकर गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज पहुंचे, जहां रास्ते में ही उसकी मौत हो गई.

त्रिवेणी संगम में स्नान के लिए जा रहे श्रद्धालुओं से भरी ऑटो ट्रैक्टर से टकराई, 9 घायल

मोतिहारी, एजेंसी। मोतिहारी के हर्षिद्धि थानाक्षेत्र के दुदही गांव से त्रिवेणी संगम में स्नान करने जा रहे श्रद्धालुओं से भरी ऑटो ट्रैक्टर से टकरा गई. हादसे में कुल 9 लोग घायल हो गए. जबकि ऑटो में कुल 12 लोग यात्रा कर रहे थे. बताया जा रहा है कि वाल्मीकि नगर रोड स्टेशन और गोबरहिया के बीच में ऑटो की टक्कर ट्रैक्टर से हो गई. दरअसल, मोतिहारी से श्रद्धालुओं से भरी ऑटो त्रिवेणी संगम स्नान के लिए जा रहे थे. जैसे ही टैंपो वाल्मीकिनगर रोड स्टेशन पार किया, अचानक एक तेज रफ्तार ट्रैक्टर ने उसे टक्कर मार दी. हादसे के बाद मौके पर अफरा तफरी मच गई. स्थानीय लोगों ने तत्परता दिखाते हुए सभी घायलों को अनुमंडलीय अस्पताल पहुंचाया, जहां सबका इलाज चल रहा है. डॉक्टर ने बताया कि सभी घायल व्यक्ति खतरे से बाहर हैं. उन्हें आवश्यक चिकित्सा प्रदान की जा रही है. जानकारी के अनुसार, सभी घायल एक ही परिवार के सदस्य हैं. घायलों में बुआ देवी, टेंपो चालक सुभाष कुमार, चिंता देवी. राजनती देवी, सुधा देवी, बबिता देवी, किरन देवी और बिहारी सहनी शामिल हैं. जानकारी के अनुसार, टेंपो पर सवार सभी लोग एक ही परिवार के सदस्य हैं. जिनमें एक पुरुष और 11 महिला शामिल हैं. फिलहाल घायलों के परिजन को इसकी सूचना दे दी गई है. डॉक्टर ने बताया कि स्थिति का जायजा लिया जा रहा है. उधर वीटीआर में पेट्रोलिंग के दौरान एक भालू ने वनकर्मी पर हमला कर दिया, जिसमें वह बुरी तरह घायल हो गए. बताया जा रहा है कि चिउटाहा वनक्षेत्र के ढोकनी दोन के कक्ष संख्याच-35 में पेट्रोलिंग कर रहे वनकर्मियों की टीम पर एक भालू ने हमला कर दिया. घायल की पहचान उमा उरांव के रूप में की गई है. घायल वनकर्मी को तत्काल हरनाटाड़ पीएचसी में भेजा गया. यहां उनका प्राथमिक उपचार के बाद रेफर कर दिया गया. इसके बाद घायल के परिजन ने उन्हें एक निजी क्लिनिक में भर्ती कराया, जहां उनका इलाज चल रहा है.

दरभंगा फायरिंग मामले में हमलावर की मौत

अपनी जमीन का खतियान खोजने आया था ट्रस्ट कार्यालय

दरभंगा, एजेंसी। कामेश्वर सिंह धार्मिक न्याय कार्यालय में गुरुवार को हुई फायरिंग का मुख्य अभियुक्त वृहस्पति यादव की शुक्रवार को इलाज के दौरान मौत हो गयी. कटिहार जिले के मनियारी थाना क्षेत्र का निवासी वृहस्पति यादव गुरुवार को विश्वविद्यालय थाना क्षेत्र के रामबाग परिसर स्थित ट्रस्ट कार्यालय में कार्यरत कर्मियों पर हमला किया था. उसने पहले दो अधेड़ व्यक्तियों पर बांस से हमला किया फिर लगभग दस राउंड फायरिंग की. बांस से किये गये हमले में कार्यालय में कार्यरत दो कर्मी जख्मी हो गये. बाद में स्थानीय लोगों ने वृहस्पति यादव को पकड़ लिया और उसकी बेरहमी से पिटाई की. घटना की सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने वृहस्पति यादव को हिरासत में लेकर डीएमसीएच इलाज के लिए भेजा. वहां शुक्रवार को इलाज के दौरान उसकी मौत हो गयी. पुलिस के अनुसार वृहस्पति यादव के पास से लगभग 42 जिंदा कारतूस व एक देसी कट्टा बरामद किया गया है. गुरुवार की दोपहर लगभग तीन बजे वृहस्पति यादव हाथ में बांस लिये कामेश्वर सिंह धार्मिक न्याय ट्रस्ट कार्यालय पहुंचा. ट्रस्ट के कर्मी अपने-अपने कार्य में व्यस्त थे. कार्यालय के आदेशपाल ने पूछा कि क्या बात है, इसपर उसने दो बार बांस से वार कर दिया. वह जख्मी होकर भाग गये. इस दौरान बीच बचाव में आये दूसरे कर्मी तिलय मंडल के सिर पर भी बांस से वार किया. वह भी गंभीर रूप से जख्मी हो गये. इसके बाद कार्यालय में अफरा-तफरी का माहौल बन गया. लोगों को अपनी ओर आता देख हमलावर ने बंदूक निकाली और एक के बाद एक दस राउंड फायरिंग की. फायरिंग के बीच सभी कर्मी वहां से भाग गये. दो कर्मी तो प्रबंधक कार्यालय के कक्ष को बंद कर छिप गये. स्थानीय लोगों ने किसी तरह उसे पकड़ा. इसकी सूचना पुलिस को दी गयी. पुलिस अधिकारियों के पहुंचने के बाद उसे पुलिस के हवाले कर दिया गया.

हमलावर ने घटना को क्यों अंजाम दिया है. यह अब तक स्पष्ट नहीं हो सका है, लेकिन बताया जा रहा है कि वो अपनी जमीन को लेकर परेशान था. स्थानीय लोगों ने बताया कि वृहस्पति यादव की जमीन कटिहार जिले के मनिहारी में है.

जमीनी विवाद में पीट-पीटकर बुजुर्ग की हत्या, सभी आरोपी फरार

बगहा, एजेंसी। बगहा के भीतहा थानाक्षेत्र के हेतुहवा मुजा टोला में एक बुजुर्ग महिला की पीट पीटकर हत्या कर दी गई है. घटना का कारण 7 कट्ठा जमीन बताया जा रहा है. मृतका पार्वती देवी अपने खेत में काम करने गई थी, जहां उनका शव संदिग्ध परिस्थिति में पाया गया था. पुलिस मामले की जांच कर रही है. घटना के बाद से ही आरोपी फरार बताए जा रहे हैं.

बताया जा रहा है कि मृतका और उनके पड़ोसियों के बीच जमीन को लेकर लंबे समय से विवाद चल रहा था. घटना से एक दिन पहले भी दोनों पक्षों में जमकर गाली-गलौज हुई थी. अगले ही दिन पार्वती देवी खेत में काम करने गई थी, जहां उनका शव मिला. मृतका पार्वती देवी के बेटे राजदेव का कहना है कि उनके पड़ोसियों ने हमला कर उनकी मां की हत्या कर दी है. घटना की जानकारी मिलते ही भीतहा पुलिस मौके पर पहुंची. मौके पर पहुंचने के बाद पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया. बथवारिया थानाध्यक्ष राकेश कुमार ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत की सही वजह सामने आ सकेगी. पुलिस फिलहाल सभी पहलुओं पर जांच कर रही है. साथ ही फरार आरोपियों की तलाश जारी है. उधर मोतिहारी से श्रद्धालुओं से भरी ऑटो त्रिवेणी संगम स्नान के लिए जा रहे थे. जैसे ही टैंपो वाल्मीकिनगर रोड स्टेशन पार किया, अचानक एक तेज रफ्तार ट्रैक्टर ने उसे टक्कर मार दी. हादसे के बाद मौके पर अफरा तफरी मच गई. स्थानीय लोगों ने तत्परता दिखाते हुए सभी घायलों को अनुमंडलीय अस्पताल पहुंचाया, जहां सबका इलाज चल रहा है. डॉक्टर ने बताया कि सभी घायल व्यक्ति खतरे से बाहर हैं. उन्हें आवश्यक चिकित्सा प्रदान की जा रही है. जानकारी के अनुसार, सभी घायल एक ही परिवार के सदस्य हैं. घायलों में बुआ देवी, टेंपो चालक सुभाष कुमार, चिंता देवी. राजनती देवी, सुधा देवी, बबिता देवी, किरन देवी और बिहारी सहनी शामिल हैं.

भागलपुर में शुरू हुआ एक और फोरलेन सड़क का काम, देवघर का सफर भी होगा आसान

भागलपुर, एजेंसी। भागलपुर जिले में सड़क निर्माण का काम इन दिनों चल रहा है. पहले मुंगेर-मिर्जाचौकी के बीच फोरलेन सड़क तैयार हुआ है और अब एकचारी से झारखंड के गोड्डा जिला स्थित महगामा तक एनएच-133 नयी फोरलेन सड़क भी बनेगी. इसकी लंबाई करीब 40 किमी और लागत करीब 1068 करोड़ रुपये होगी. इसे लेकर एनएचएआइ ने जमीन अधिग्रहण की प्रक्रिया शुरू कर दी गयी है.

एकचारी-महगामा फोरलेन सड़क प्रोजेक्ट के लिए अधिग्रहण की जाने वाली जमीन का सर्वे भी हो चुका है और भूस्वामियों को मुआवजा देने के लिए कागजात के माध्यम से पहचान की प्रक्रिया हो रही है. करीब 40 किलोमीटर तक बनने वाली इस सड़क से अब भागलपुर के लोगों को देवघर जाने में भी काफी सहूलियत होगी.

एकचारी से महगामा तक नयी फोरलेन सड़क बनेगी और इसके लिए भूमि अधिग्रहण का काम शुरू कर दिया गया है. इस सड़क के माध्यम से देवघर आवागमन में भी सुविधा होगी. इससे पहले भागलपुर से होकर झारखंड तक आवागमन के लिए मुंगेर-मिर्जाचौकी फोरलेन सड़क का निर्माण हो रहा है. ऐसे में दोनों सड़कों के बन जाने के बाद भागलपुर से होकर झारखंड तक आवागमन में सुविधा बढ़ेगी. यह सड़क महगामा-हंसडीहा एनएच से चौपामोड़ के पास मिलेगी. एकचरी-गोड्डा के बीच फोरलेन सड़क बनने से न सिर्फ रोड की कनेक्टिविटी बढ़ेगी, बल्कि दो घंटे में भागलपुर से देवघर भी आसानी से पहुंचा जा सकेगा. इस फोरलेन से एकचरी, महगामा, हंसडीहा से ग्रीन फील्ड होते हुए लोग बाबा बैद्यनाथ धाम देवघर पहुंच सकेंगे.

सची हॉस्पिटल

NH-28 A, नियर टाटा मोटर्स, मोतिहारी (बिहार)

पथरी एवं मूत्र रोग समर्पित हॉस्पिटल

9102779809, 9801344665

डॉ. एस. प्रसाद

नालंदा ज्ञान कुंभ कलश रथयात्रा पहुंची मोतिहारी, किया गया भव्य स्वागत

बीएनएम। मोतिहारी

नालंदा ज्ञान कुंभ के लिए आयोजित होने वाले राष्ट्रीय अधिवेशन के लिए बीआरएबीयू, मुजफ्फरपुर से निकली कलश यात्रा गुरुवार को शहर के एलएनडी कॉलेज में पहुंची। आगंतुक अतिथियों में धनवंतरी के रूप में विश्वविद्यालय द्वारा नामित एलएनडी कॉलेज के प्राचार्य प्रो. (डॉ.) राजेश कुमार सिन्हा तथा प्रिया रानी डिग्री कॉलेज के भूगोल विभागाध्यक्ष डॉ. मनोज कुमार थे। ज्ञान कुंभ रथ का महाविद्यालय परिसर में प्राध्यापकों, कर्मियों और छात्र छात्राओं के द्वारा भव्य स्वागत किया गया। बीएड विभाग के द्वारा स्वागतगान और मंगलाचरण किया गया। अतिथियों ने भारत के सांस्कृतिक और सामाजिक मूल्यों पर प्रकाश डालते हुए कार्यक्रम के प्रारूप पर चर्चा की। प्रो. राजेश सिन्हा ने बताया कि वह दिन दूर नहीं है जब पुनः नालंदा ज्ञान और शोध का केंद्र बन जाएं। कार्यक्रम के दौरान इतिहास विभागाध्यक्ष डॉ. सुबोध कुमार ने अपने विचार को साझा करते हुए बताया कि भारतीय ज्ञान परंपरा में नैतिकता, सार्वभौमिकता और जीवन के उद्देश्य के बारे में शिक्षा दी जाती है। महाविद्यालय मीडिया प्रभारी डॉ. प्रभाकर कुमार ने बताया कि विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित ज्ञान कुंभ रथ से छात्र-छात्राओं के व्यक्तित्व निर्माण में काफी सहूलियत होगी। आवश्यकता है इस ज्ञान कुंभ के उद्देश्यों को ठीक से जानने समझने की। इस अवसर पर प्रो. दुर्गेश मणि तिवारी, डॉ. दीपक कुमार, प्रो. अरविंद कुमार, डॉ. कुमार राकेश रंजन, प्रो. अरविंद कुमार, प्रो. राकेश रंजन कुमार, डॉ. रविरंजन सिंह, डॉ. कविता कुमारी, डॉ. मनीषा कुमारी, डॉ. अनिता कुमारी, प्रो.के के सिन्हा, डॉ. प्रिय रंजन झा, प्रो. जयंती झा, प्रो. प्रमोद राय, राजीव कुमार, कामेश भूषण, अमित कुमार, आशुतोष कुमार, अखिलेश कुमार, आलोक पांडेय, ऋतुरंजन सिंह, मंजय ठाकुर, सन्नी, अंजली, दीपा मिश्रा, सलोनी, मनीषा पाण्डेय, निशि, अभिषेक, शुभांगी भारती, मनोज, किरण सहित अन्य उपस्थित रहे।

दिल्ली मे 3 और 4 दिसबंर को होगा बिहार महोत्सव का आयोजन : प्रसाद रत्नेश्वर

बीएनएम। मोतिहारी

दिल्ली के सिविल लाइंस स्थित शाह ऑडिटोरियम में आगामी 3 और 4 दिसबंर को दो दिवसीय बिहार महोत्सव का आयोजन किया जायेगा। मोतिहारी में शुक्रवार को इसकी जानकारी देते बिहार महोत्सव के प्रणेता एवं संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार के इज्जेडसीसी के बोर्ड ऑफ गवर्नर्स के सदस्य प्रसाद रत्नेश्वर ने बताया कि महोत्सव में इस वर्ष बड़ी संख्या बिहारी समाज के लोग जुटेगे।जिसमे वैसे लोग भी शामिल होगे ,जिन्होने अपने गाँव - गिरांव से दूर आकर राष्ट्रीय राजधानी में अपनी कामयाबी का परचम लहरा रहे है। इसके साथ ही वे सभी निश्चछल बिहारी श्रमजीवी शख्सियत भी इसमे शिरकत करेगे। जिन्होने अपने कंठ में मां सरस्वती और बाजुओं में भगवान विश्वकर्मा का आशीर्वाद लेकर दिल्ली को गढ़ा है।उन्होंने बताया कि दिल्ली में बिहार महोत्सव की तैयारी जोरों पर है। बीते 41 वर्षों से मोतिहारी,पटना और दिल्ली के रंगमंच पर सक्रिय प्रसाद रत्नेश्वर ने कहा कि दिल्ली में बिहार महोत्सव अपनों के बीच अपनेपन का एक नया अहसास है।उन्होने बताया कि देश की राजधानी में बिहार महोत्सव की शुरुआत उन्होने 21 वर्षों पहले वर्ष 2003 में मोतिहारी से जाकर की थी। उस समय दिल्ली में सरकारी या गैर - सरकारी स्तर पर बिहार महोत्सव का का आयोजन नहीं होता था। 6 - 7 दिसम्बर , 2003 को ईस्ट ऑफ कैलाश स्थित इस्कॉन में इसका प्रथम सफल आयोजन किया था। इस बार के आयोजन में भी चार सौ से अधिक लोक कलाकार भाग ले रहे हैं। माहौल बनाने के लिए अभी से बिहार महोत्सव की टीम दिल्ली के अलग-अलग हिस्सों में नुक्कड़ नाटक व लोकगीतों के माध्यम से बिहारियों को अपनी गौरवशाली कला - संस्कृति पर गर्व करने , धरोहरों को सहेजने तथा आपस में एकजुट होने के लिए प्रेरित कर रही है। आयोजन को सफल बनाने के लिए समिति का गठन किया गया है। दिल्ली में कामयाब बिहारी भाईयों में तनवीर हसन, सुधाकर शरण , मोहन कुमार गुप्ता , राकेश कुमार वर्मा, संजीव सेठ, हरिशंकर सिंह, नीरज कुमार, दीपक मिश्रा एवं अन्य की अगुवाई में उपसमितियां गठित की गयी हैं।बिहार महोत्सव की 21 वीं वर्षगांठ पर दिल्ली के बिहारियों में आत्मीयता बढ़ाने के लिए गठित ' बिहारी दोस्त ' की परिकल्पना मूर्त रूप ले रही है। राष्ट्रीय एकता और विश्व बंधुत्व की एक सांस्कृतिक पहल के रूप में आरम्भ किये गये इस महोत्सव की इस वर्ष की थीम है -कला - संस्कृति के क्षेत्र में विशेष राज्य का लोक रस-रंग। भारत के प्रथम राष्ट्रपति देशरत्न डॉ. राजेंद्र प्रसाद की जन्मतिथि पर बिहार महोत्सव का सांस्कृतिक अनुष्ठान किया जा रहा है। लिटरेचर फेस्टिवल , थियेटर और शॉर्ट फिल्म फेस्टिवल जैसे महत्वपूर्ण आयोजन होंगे वहीं सैकड़ों बिहारी लोक कलाकार अपने पारम्परिक लोकगीत , नृत्य , संगीत , नृत्य - नाटिका का प्रदर्शन करेंगे। सम्पूर्ण आयोजन पूर्णतया निःशुल्क और सबके लिए है।उन्होने बताया कि बिहार महोत्सव आयोजन बिहारियों के तन-मन और धन से आयोजित हो रहा है।

त्रिवेणी संगम में स्नान करने जा रहे श्रद्धालुओ से भरी टेंपो ट्रैक्ट्रर से टकरायी,9 घायल

बीएनएम। मोतिहारी

जिले के हरसिद्धि थानाक्षेत्र के दुदही गांव से त्रिवेणी संगम में स्नान करने जा रहे श्रद्धालुओं से भरी ऑटो ट्रैक्टर से टकरा गई। ऑटो में एक पुरूष व 11 महिला समेत कुल 12 लोग सवार थे। जिसमे 9 लोग बुरी तरह जख्मी बताये जा रहे है।घटना वाल्मीकि नगर रोड स्टेशन और गोबरहिया के बीच हुई है। जहां ऑटो की टक्कर ट्रैक्टर से हो गई। घटना के संदर्भ में मिली जानकारी के अनुसार सभी श्रद्धालु एक ही परिवार के है।जो कार्तिक पूर्णिमा पर ऑटो पर सवार होकर त्रिवेणी संगम में स्नान के लिए जा रहे थे। जैसे ही टैंपो वाल्मीकिनगर रोड स्टेशन पार किया, अचानक एक तेज रफ्तार ट्रैक्टर ने उसे टक्कर मार दी। हादसे के बाद स्थानीय लोगों ने तत्परता दिखाते हुए सभी घायलों को अनुमंडलीय अस्पताल पहुंचाया, जहां सबका इलाज चल रहा है। डॉक्टर के अनुसार सभी घायल खतरे से बाहर हैं। उन्हें आवश्यक चिकित्सा प्रदान की जा रही है। घायलों में बुआ देवी, टेंपो चालक सुभाष कुमार, चिंता देवी. राजनती देवी, सुधा देवी, बबिता देवी, किरन देवी और बिहारी सहनी शामिल हैं।सभी हरसिद्धि के दुदही गांव के एक ही परिवार के सदस्य है।

मोतीझील के किनारे अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई

बीएनएम। मोतिहारी

अनुमंडल पदाधिकारी सदर एवं अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी सदर के नेतृत्व में शुक्रवार को पुलिस बल के साथ नगर की हृदयस्थली मोतीझील के किनारे बन रहे रोड के पास से 10 घरों का अतिक्रमण हटाया गया है। शेष अतिक्रमण भी आगामी तिथियों में नियमानुसार हटाया जाएगा साथ ही सड़क निर्माण का कार्य भी साथ-साथ किया जा रहा है।

जनता के दरबार में जिला प्रशासन कार्यक्रम अंतर्गत कुल 20 आवेदन प्राप्त हुए

बीएनएम। मोतिहारी

शहर के समाहरणालय स्थित डॉ. राधाकृष्णन भवन सभागार में शुक्रवार को आयोजित कार्यक्रम जनता के दरबार में जिला प्रशासन द्वारा जिले के विभिन्न प्रखंडों से आए 20 आवेदनकर्ताओं की समस्याओं पर एडीएम आपदा प्रबंधन की अध्यक्षता में जिला स्तरीय पदाधिकारी के द्वारा सुनवाई की गई। उक्त प्राप्त शिकायतों पर संज्ञान लेते हुए एडीएम आपदा प्रबंधन राजेश्वरी पांडे ने कहा कि आज जो आवेदन प्राप्त हुए हैं उस पर संबंधित पदाधिकारी के स्तर से करवाई कराते हुए शीघ्र ही समस्या का विधिसम्मत निदान सुनिश्चित किया जाएगा। भूमि विवाद, अतिक्रमणवाद, राजस्व विभाग से संबंधित अधिकांश आवेदन प्राप्त हुए जिसके शीघ्र निष्पादन हेतु संबंधित पदाधिकारी को आवश्यक दिशा-निर्देश के साथ भेज देने का निर्देश एडीएम के द्वारा प्रभारी पदाधिकारी जिला जन शिकायत कोषांग को दिया गया। मौके पर एडीएम आपदा प्रबंधन राजेश्वरी पांडे एवं वरीय उप समाहर्ता यशवंत कुमार ने जनता दरबार में आए लोगों से मिलकर उनकी शिकायतों का समाधान किया।

MADAN RAJ NURSING HOME
HOSPITAL ROAD MOTIHARI, (BIHAR)
Contact No.- 9801637890, 6200480505, 9113274254

भगवान बिरसा मुंडा की जयंती पर एमजीसीयू में व्याख्यान का आयोजन

बीएनएम। मोतिहारी

महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय के चाणक्य परिसर में शुक्रवार को भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयन्ती पर एक व्याख्यान का आयोजन किया गया। व्याख्यान में कूच बेहार पंचनाम बर्मा विश्वविद्यालय के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ शक्तिपाद कुमार मुख्य वक्ता के रूप में ऑनलाईन माध्यम से जुड़े। उन्होंने बिरसा मुंडा को स्मरण करते हुए उनके द्वारा किये गये योगदान पर विस्तृत चर्चा करते कहा कि बिरसा मुंडा ने मात्र बीस वर्ष की आयु में ही अंग्रेजों की नाक में दम कर दिया था। झारखण्ड के खूंटी जिला के उलिहातू गांव में जन्मे हुआ बिरसा का बचपन का नाम दाऊद था और आदिवासी मुंडा समुदाय से सम्बन्ध होने से मुंडा नाम जुड़कर दाऊद मुंडा हुआ किन्तु बाद में बिरसा मुंडा के नाम से प्रसिद्ध हो गए। आदिवासियों के हित के लिए उन्होने अपने प्राणों न्यौछावर कर दिया। इस कारण ही बिरसा मुंडा अमर हो गए हैं। मुख्य वक्ता ने उनके सांगीतिक प्रेम को स्पष्ट करते हुए आदिवासी जनजाति के दो गीतों को भी स्पष्ट करते हुए मधुर स्वर में सुनाकर सबका मन मोह लिया। व्याख्यान के अन्त में प्रश्नोत्तरी भी रखा गया जिसमें प्रश्नों का उत्तर वक्ताओ ने दिया।वही हिन्दी विभाग के प्रोफेसर राजेन्द्र बडगूजर ने कहा कि आदिवासियों के अधिकार के लिए बिरसा मुंडा का योगदान अति महत्त्वपूर्ण रहा है। तिलक जी के "स्वराज मेरा जन्मसिद्ध अधिकार है" का सम्बन्ध कहीं न कहीं आदिवासी उक्ति से प्राप्त होता है। अन्त में बिरसा मंडा को समर्पित करते हुए एक कविता से अपना व्याख्यान समाप्त किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते प्रो. प्रसूनदत्त सिंह ने "जय जोहार" कहकर संगोष्ठी को सम्बोधित किया। उन्होने कहा कि जनजातीय संस्कृति को देखकर भारतीय संस्कृति का ज्ञान प्राप्त होता है। आस्तिक और नास्तिक के भेद को स्पष्ट करते हुए कहा कि वैदिक संस्कृति की संस्कृति के समीप जनजातीय परम्परा हमें दिखाई पड़ती है। वैदिक काल में रुद्र, मरुत, अग्नि इत्यादि देवी-देवताओं की पूजा करते थे, तो उन सभी को हम जनजातीय समूहों में स्पष्ट रूप से देखते है। भारतीय स्वतन्त्रता संग्राम के पूर्व ही जनजातियों के सन्दर्भ में बिरसा मुंडा ने अंग्रेजों का डटकर सामना करते हुए अपने प्राणों की बलि दिया था और अपना नाम स्वर्णाक्षरों में अंकित करा दिया। प्रो. सिंह ने आगे कहा कि हमें इस दिन को गौरव की तरह मनाना चाहिए। कार्यक्रम मे धन्यवाद ज्ञापन समाजशास्त्र विभाग में असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ श्वेता ने किया।जबकि संचालन अंग्रेजी विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ उमेश पात्रा ने किया। ऑनलाईन एवं ऑफलाईन दोनों ही माध्यम से हो रहे इस व्याख्यान में बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे।

सीएसपी संचालक हत्याकांड में प्राथमिक दर्ज

बीएनएम। मोतिहारी। हरसिद्धि

सीएसपी संचालक राहुल कुमार सिंह हत्याकांड में हरसिद्धि पुलिस ने मृतक के पिता रामनाथ सिंह के आवेदन के आधार पर अपर थानाध्यक्ष कुमारी बिभा भारती ने अज्ञात के विरुद्ध कांड संख्या 616/24 दर्ज कर अनुसंधान का जिम्मा स्वयम लिया है। दिए गए आवेदन में मृतक के पिता रामनाथ सिंह ने उल्लेख किया है कि 13 नवंबर को राइडर सवार दो अपराधी आये। एक बाइक स्टार्ट कर खड़ा था दूसरा सीएसपी में घुस कर राहुल को गोली मार दी और मेन रोड होकर फरार हो गए।घटना के वक्त एक लड़का ने अपराधियों पर चप्पल चलाया तो उसके सिर पर लगा और टोपी गिर गया। उसपर किंग लिखा हुआ था और क्राउन का फोटो था। उन्होंने आवेदन में लिखा है कि मुझे किसी पर संदेह नहीं है।

पुण्यतिथि समारोह की तैयारी को लेकर बैठक आयोजित

बीएनएम। केसरिया

कानू हलुवाई विकास संघ के द्वारा 19 नवंबर को आयोजित केसरिया के प्रखण्ड प्रमुख रहे स्वर्गीय नारायण किशोर प्रसाद की पुण्यतिथि समारोह ऐतिहासिक होगी। आयोजन की तैयारी को लेकर शुक्रवार को कर्मवीर गांधी पुस्तकालय केसरिया के परिसर में बैठक आयोजित की गई। संबोधित करते हुए पूर्व जिला पार्षद मोख्तार प्रसाद गुप्ता ने कहा कि स्व नारायण किशोर प्रसाद आजीवन क्षेत्र के विकास के लिए काम किया। वही राकेश कुमार रत्न ने कहा कि स्व प्रसाद विकास पुरुष थे। उनकी पुण्यतिथि समारोह ऐतिहासिक होगी। बैठक के दौरान कार्यक्रम की सफलता को लेकर आयोजन कमिटी का गठन किया गया। जिसमें श्यामबाबू प्रसाद को अध्यक्ष, सुभाष साह को सचिव, मुखिया अशोक कुमार व मुकेश कुमार को संयुक्त सचिव, मुन्ना साह व विनोद गुप्ता को उपाध्यक्ष, सरपंच विनोद गुप्ता को उपसचिव, कौशल किशोर प्रसाद को संरक्षक तथा संजय गुप्ता, उत्तम साह, मनोज साह को कार्यकारिणी का सदस्य बनाया गया। मौके पर कुन्दन कुमार, राकेश कुमार, राधेश्याम प्रसाद, विक्की कुमार समेत कई लोग उपस्थित थे।

रक्सौल में 26 लाख के मादक पदार्थ के साथ एक नेपाली तस्कर गिरफ्तार

बीएनएम। मोतिहारी

रक्सौल थाना पुलिस व एंटी लिकर टास्क फोर्स ने गुप्त सूचना के आधार पर संयुक्त कार्रवाई करते हुए मादक पदार्थ के साथ एक नेपाली तस्कर को रक्सौल के सैनिक रोड कोईरिया टोला से गिरफ्तार किया है। इस दौरान पुलिस ने तस्कर के पास से डेढ किलो चरस, 100 ग्राम ब्राउन सुगर, 22 पीस कोरेक्स सिरप, 32 पीस कोरेक्स सिरप का उपयोग किया हुआ डब्बा,नेपाली नंबर का एक मोटरसाईकिल एवं एक स्कूटी बरामद किया है।बरामद मादक पदार्थ की कीमत करीब 26 लाख बतायी जा रही है। गिरफ्तार तस्कर की पहचान नेपाल के पर्सा जिला के वीरगंज के मुरली निवासी राज हुसैन के रूप में हुई है। इस संदर्भ में रक्सौल थाना में कांड दर्ज कर अग्रतर कार्रवाई की जा रही है।छापेमारी टीम में रक्सौल डीएसपी धीरेन्द्र कुमार,एसआई एकता सागर,पीएसआई नेहा कुमारी,कुमार प्रभात, प्रभारी ALTF रक्सौल ,पीटीसी विकास कुमार व रक्सौल थाना के सिपाही अजय कुमार यादव एवं सिपाही सुमन कुमार व सशस्त्र बल शामिल थे।

केंद्र व राज्य सरकार किसानों को मजबूत करने के लिए कटिबद्धः विधायक

बीएनएम। तेतरिया

प्रखंड मुख्यालय स्थित ई किसान भवन के परिसर में बुधवार को आत्मा के तत्वावधान में बीएओ मुनेश्वर प्रसाद सिंह के अध्यक्षता में रबी महोत्सव सह किसान प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन विधायक श्याम बाबू यादव,सीओ साक्षी कुमारी, प्रमुख विनय कुमार यादव ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्ज्वलित कर किया। विधायक श्याम बाबू यादव ने कहा कि मोदी सरकार ने किसानों को प्रति बर्ष 6 हजार रुपए पीएम किसान निधि योजना से दे रही है। किसानों को लागत के डेढ़ गुणा लाभ देने के लिए तरह तरह की योजना चला रही है।खाद दुकानदारों को कड़ा निर्देश देते हुए कहा कि अधिक दामों पर खाद की बिक्री करेंगे वैसे दुकानदार पर कार्रवाई किया जायेगा। डीएपी खाद की किल्लत नहीं होगा। किसानों से गेहूं, मक्का के साथ पशु पालन, मछली पालन, मुर्गी पालन, मशरूम का भी उत्पादन करने का अपील किया।घेघवा पंचायत के मुखिया पति पप्पू यादव,जिला राजद उपाध्यक्ष राधामोहन सिंह यादव ने कहा कि डबल इंजन की सरकार होते हुए भी किसानों को डीएपी खाद की किल्लत हो गया है। किसान 17 सौ रुपए डीएपी खरीद रहे हैं।सीओ साक्षी कुमारी ने किसानों से रसायनिक खाद का उपयोग कम कर जैविक खाद अधिक खेत में देने का सुझाव दिया। महोत्सव को प्रखंड प्रमुख विनय कुमार यादव,किसान समन्वयक सुरेश प्रसाद, आलोक श्रीवास्तव,बीटीएम प्रियंका कुमारी, एटीएम जितेंद्र कुमार,चंदकिशोर, किसान सलाहकार रीमा कुमारी, संजय कुमार,बिनोद कुमार बिक्रम, मोतीलाल यादव, रबिंद्र कुमार, किसान संघ अध्यक्ष रामचंद्र यादव, जितेंद्र कुमार यादव, हरेंद्र सहनी,लालबाबू राय सहित दर्जनों किसान उपस्थित थे।

खिजीरपुरा बेनीपुर व सरोतर में विशेष ग्राम सभा आयोजित

बीएनएम। केसरिया

भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती पर प्रखंड के खिजिरपुरा बेनीपुर व सरोतर पंचायत में विशेष ग्राम सभा सह उन्मुखोकरण कार्यक्रम आयोजित की गई. जिसमे खिजिरपुरा के अनुसूचित जाति टोला वार्ड 05 के प्राथमिक विद्यालय में आयोजित विषेश ग्राम सभा की अध्यक्षता मुखिया अशोक कुमार ने किया. विशेष ग्राम सभा में संविधान के प्रस्तावना का वाचन , स्वच्छता शपथ, नशा मुक्ति शपथ, वृक्षा रोपण (एक पेड़ मां के नाम), एल एस डी जी के थीम आत्मनिर्भर बुनियादी ढांचा युक्त गांव, स्वस्थ्य गांव , स्वच्छ और हरित गांव आदि पर ग्राम सभा में चर्चा की गई. बीपीआरओ खुशबू कुमारी ने बताया की पंचायतीराज विभाग से निर्देश पर केसरिया प्रखण्ड के दो पंचायत में आम सभा आयोजित की गई है.मौके पर पंचायत सचिव अजीत कुमार, पिरामल से जिला प्रतिनिधि मुकेश कुमार, पी एल धीरेन्द्र प्रसाद,आशा गीता देवी, पूजा कुमारी, युवा , बुजुर्ग समेत बड़ी संख्या में उपस्थित थे.

CENTER CODE- BR-12870035
SAKSHI COMPUTER INSTITUTE
भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त शिक्षण संस्थान
A UNIT OF BDS COMPUTER PVT. LTD.
A RIGHT PLACE FOR YOUR STUNING PERSONALITY
COME AND LEARN COMPUTER WITH US

Tally Prime
ADCA
DCA
CCC
COMPUTER BASIC
ADVANCE EXCEL
YADOPUR ROAD, HARSIDHI, EAST CHAMPARAN
9470050309
RAKESH KUMAR
bdscomputer.in

टीबी के शिकार होते लोग

टीबी के मामले तेजी से बढ़े हैं। चौंकाने वाली बात है कि जब हमारे पास टीबी को रोकने, पहचानने और इलाज करने के साधन मौजूद हैं, तो भी इसके कारण इतनी ज्यादा मौतें हो रही हैं और लोग इसके शिकार बन रहे हैं। परिस्थितियां अनुकूल हैं, लेकिन नतीजा उलटा हो रहा है। यह कहानी कभी घातक बीमारी रह चुके ट्यूबरक्लोसिस (टीबी) की है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्लूएचओ) की- ग्लोबल ट्यूबरकुलोसिस रिपोर्ट 2024- के मुताबिक 2023 में 82 लाख लोग टीबी से संक्रमित हुए, जो 1995 में निगरानी शुरू होने के बाद की सबसे बड़ी संख्या है। यह आंकड़ा 2022 में सामने आए 75 लाख नए मामलों से काफी अधिक है। इनके अलावा बड़ी संख्या की ऐसे लोगों के मौजूद होने का अनुमान है, जिनमें इस रोग का निदान नहीं हो पाया। अब डब्लूएचओ के महानिदेशक टेड्रोस अधानोम गेब्रियासुस की इस टिप्पणी पर गौर कीजिए- चौंकाने वाली बात है कि जब हमारे पास टीबी को रोकने, पहचानने और इलाज करने के साधन मौजूद हैं, तो भी इसके कारण इतनी ज्यादा मौतें हो रही हैं और लोग इसके शिकार बन रहे हैं। डब्लूएचओ ने अपनी रिपोर्ट जिक्र किया है कि दवा-प्रतिरोधी टीबी (एमडीआर/आरआर-टीबी) के मामलों में भी सुधार हुआ है। टीबी के सामान्य मामलों में इलाज की सफलता दर 88 फीसदी है, जबकि एमडीआर/आरआर-टीबी के मामलों में यह 68 फीसदी तक पहुंच गई है। फिर भी टीबी के मामले बढ़ रहे हैं। टीबी की वापसी से सबसे ज्यादा प्रभावित देशों में भारत प्रमुख है। भारत सहित मध्यम आय वाले ज्यादातर देशों में यह स्थिति स्वास्थ्य के निरोधक (प्रीवेंटिव) पहलू पर जोर घटने के कारण पैदा हुई है। हर सेवा के निजीकरण के दौर में सार्वजनिक स्वास्थ्य प्राथमिकता नहीं रह गया है। डब्लूएचओ के मुताबिक लगभग 50 फीसदी मरीजों को इलाज के दौरान विनाशकारी खर्च का सामना करना पड़ता है। इसका अर्थ है कि उनका इलाज खर्च उनकी आय का 20 फीसदी से ज्यादा होता है। स्वाभाविक है कि रिपोर्ट में टीबी संबंधी सेवाओं के लिए फंडिंग की कमी का खास उल्लेख किया गया है। 2023 में संयुक्त राष्ट्र की उच्चस्तरीय बैठक में कहा गया था कि 2027 तक टीबी सेवाओं के लिए हर साल 22 बिलियन डॉलर जुटाए जाने चाहिए। 2023 में केवल 5.7 बिलियन डॉलर की फंडिंग उपलब्ध थी- यानी कुल जरूरत का सिर्फ 26 फीसदी। ऐसे में टीबी की वापसी कोई हैरत की बात नहीं है।

भारतीय गाँवों में प्राथमिक स्वास्थ्य सेवा लागू करने में बाधाएँ

प्राथमिक स्वास्थ्य सेवा किसी भी स्वास्थ्य प्रणाली की नींव होती है, खासकर ग्रामीण भारत में, जहाँ 65% से ज़्यादा आबादी रहती है। फिर भी, ग्रामीण क्षेत्रों में प्रभावी स्वास्थ्य सेवाएँ देने में लगातार चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। ज़्यादातर ग्रामीण प्राथमिक स्वास्थ्य सेवा केंद्रों में बिजली, स्वच्छ पानी और उपकरण जैसी बुनियादी सुविधाओं का अभाव है। ग्रामीण स्वास्थ्य सांख्यिकी 2021 के अनुसार, 8% से ज़्यादा स्वास्थ्य सेवा केंद्र बिना बिजली के काम करते हैं। ग्रामीण स्वास्थ्य सेवा केंद्रों में डॉक्टरों और नर्सों सहित प्रशिक्षित चिकित्सा कर्मियों की भारी कमी है। स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय 2022 के अनुसार भारत में स्वास्थ्य सेवा केंद्रों में 23% डॉक्टरों की कमी है। लंबी दूरी और खराब परिवहन नेटवर्क के कारण दूरदराज के इलाकों में मुश्किलों का सामना करना पड़ता है, जिससे मरीजों की स्वास्थ्य सेवा तक पहुँच प्रभावित होती है। उत्तराखंड जैसे पहाड़ी क्षेत्रों के 40% से ज़्यादा गाँवों में नज़दीकी स्वास्थ्य सेवा केंद्र तक पहुँच नहीं है। कम साक्षरता स्तर और स्वास्थ्य सेवाओं के बारे में जागरूकता की कमी के कारण स्वास्थ्य सुविधाओं का कम उपयोग होता है। बिहार जैसे राज्यों में कम जागरूकता के कारण टीकाकरण दर कम बनी हुई है। भारत अपने सकल घरेलू उत्पाद का 1.3% स्वास्थ्य सेवा पर ख़र्च करता है (आर्थिक सर्वेक्षण 2023), जो ग्रामीण स्वास्थ्य सेवा के बुनियादी ढांचे और सेवाओं को बेहतर बनाने के लिए अपर्याप्त है। पीएचसी में बुनियादी ढांचे को बेहतर बनाने, बिजली, स्वच्छ पानी और आवश्यक उपकरण सुनिश्चित करने में निवेश करें। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) ग्रामीण स्वास्थ्य केंद्रों को उन्नत करने के लिए अतिरिक्त धन आवंटित कर सकता है। डॉक्टरों और नर्सों के लिए उच्च वेतन, आवास और ग्रामीण भत्ते जैसे प्रोत्साहनों के माध्यम से भर्ती और प्रतिधारण को बढ़ाएँ। तमिलनाडु जैसे राज्य ग्रामीण क्षेत्रों में काम करने के लिए डॉक्टरों को प्रोत्साहित करने के लिए ग्रामीण सेवा लाभ प्रदान करते हैं। दूरदराज के क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवा प्रदान करने के लिए टेली मेडिसिन और मोबाइल स्वास्थ्य इकाइयों के उपयोग का विस्तार करें। ग्रामीण भारत में टेली कंसल्टेशन प्रदान करने के लिए ई-संजीवनी का सफलतापूर्वक उपयोग किया गया है। मातृ और बाल स्वास्थ्य पर ध्यान केंद्रित करते हुए प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाओं के बारे में समुदाय-आधारित जागरूकता कार्यक्रम चलाएँ। ग्रामीण इलाकों में मातृ देखभाल को बढ़ावा देने में आशा कार्यकर्ता प्रभावी रही हैं। ग्रामीण स्वास्थ्य सेवा पर ध्यान केंद्रित करते हुए राष्ट्रीय स्वास्थ्य नीति 2017 द्वारा अनुशंसित सार्वजनिक स्वास्थ्य व्यय को सकल घरेलू उत्पाद के कम से कम 2.5% तक बढ़ाएँ। थाईलैंड जैसे देशों ने सार्वजनिक स्वास्थ्य में निरंतर निवेश के माध्यम से स्वास्थ्य सेवा तक पहुँच में सुधार किया है। ग्रामीण स्वास्थ्य सेवा में चुनौतियाँ सिर्फ़ मरीज़ों तक सीमित नहीं हैं; वे स्वास्थ्य सेवा पेशेवरों के कंधों पर भी भारी बोझ डालती हैं। डॉक्टरों के सामने आने वाली कठोर वास्तविकता हैं-हिंसा, अपर्याप्त आवास और ढहते बुनियादी ढाँचे। ये कारक यहाँ सरकारी अस्पतालों में काम करने के लिए कई लोगों को रोकते हैं। विशेषज्ञों को लाने के प्रयासों के बावजूद, ऐसे पेशेवरों की कमी का मतलब अक्सर यह होता है कि मरीजों को इलाज़ के लिए ज़िला अस्पतालों में भेजा जाना चाहिए। "कोविड-19 महामारी हमारी प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने के लिए एक चेतावनी थी, फिर भी इस क्षेत्र में कोई अतिरिक्त निवेश नहीं हुआ है। सुलभ, सस्ती और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं के अभाव में ग्रामीण भारत के लोग, विशेष रूप से पहाड़ों, जंगलों और रेगिस्तानों में रहने वाले लोग, बीमारी का सामना करने पर ख़ुद का ख़्याल रखना जारी रखते हैं-अक्सर बीमारी के गंभीर होने तक देखभाल में देरी करते हैं, बिल्कुल भी देखभाल नहीं करते हैं या अनौपचारिक, खराब गुणवत्ता वाले प्रदाताओं से देखभाल लेते हैं। जब वे स्वास्थ्य सेवा लेने में सक्षम होते हैं, तब भी उनके साथ दुर्व्यवहार किया जाता है, उन्हें खराब गुणवत्ता वाली स्वास्थ्य सेवा मिलती है और अक्सर इस प्रक्रिया में वे कर्ज़ में डूब जाते हैं।

अमेरिका के साथ भारत के संबंध अब भी अच्छे

एस. सुनील

ट्रंप का एक और भाषण जो भारत में बहुत प्रसारित हुआ उसमें उन्होंने बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार का मुद्दा उठाया। ट्रंप ने कहा कि बांग्लादेश में हिंदुओं पर जो अत्याचार हो रहा है वह बर्बर है। दुनिया का कोई नेता, जब बांग्लादेश में प्रताड़ित हो रहे हिंदओं के पक्ष में खड़ा नहीं हुआ तो ट्रंप हुए। क्या यह कोई मामूली बात है? क्या इस पर भारत के लोगों को खुशी नहीं मनानी चाहिए? डोनाल्ड ट्रंप लौट आए हैं। अमेरिका के इतिहास में 131 साल में वे पहले राष्ट्रपति हैं, जिन्होंने कमबैक किया है। चार साल राष्ट्रपति रहने और फिर बेहद कड़वाहट भरे चुनाव में हार कर सत्ता से बाहर होने के बाद वापसी करके ट्रंप ने दिखाया है कि वे एक योद्धा हैं। उनके ऊपर महाभियोग चला। कई मुकदमे हुए। मुकदमे में सजा हुई। चुनाव प्रचार के दौरान उनके ऊपर गोली चली। लेकिन वे मैदान में डटे रहे और चुनाव जीता। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने नतीजों के 24 घंटे से ज्यादा समय बीत जाने के बाद जब बधाई दी तो उनके साहस और योद्धा वाली भावना की तारीफ की और कहा कि वे ट्रंप के साथ यूक्रेन युद्ध पर बात करने के लिए तैयार हैं। ध्यान रखने की जरुरत है कि ट्रंप ने चुनाव प्रचार में कहा था कि वे राष्ट्रपति बनने के बाद एक घंटे में यूक्रेन का युद्ध रूकवा देंगे। ट्रंप की जीत के बाद पुतिन और यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलदोमीर जेलेंस्की दोनों उम्मीद कर रहे हैं कि वे युद्ध खत्म कराएंगे। अगर ऐसा होता है तो सोचिए यह दुनिया के लिए कितनी राहत की बात होगी! दुनिया का हर देश ट्रंप के लौटने को अपने हिसाब से देख रहा है और उस पर प्रतिक्रिया दे रहा है। यूरोप के देशों खास कर फ्रांस और जर्मनी की प्रतिक्रिया सधी हुई लेकिन आशंका वाली थी। ट्रंप के आने के बाद इमैनुएल मैक्रों और ओलाफ शुल्ज दोनों यूरोपीय संघ की एकजुटता की बात कर रहे हैं। ब्रिटेन की प्रतिक्रिया सामान्य थी लेकिन सबको पता है कि लेबर प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर अमेरिका के निर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को कोई बड़े प्रशंसक नहीं हैं। चीन के राष्ट्रपति ने तो उनको जीत पर निजी तौर पर बधाई ही नहीं दी। कुल मिला कर दुनिया के दो देश ऐसे हैं, भारत और इजराइल, जिनकी प्रतिक्रिया वास्तविक अर्थों में ट्रंप की जीत पर खुशी और संतोष वाली थी। इसी खुशी और संतोष के अंदाज में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने 'अपने दोस्त डोनाल्ड ट्रंप को बधाई दी। नतीजों के तुरंत बाद उन्होंने बधाई दी और उसके थोड़ी देर बाद दोनों की बातचीत भी हुई, जिसकी जानकारी खुद प्रधानमंत्री ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर दी। आश्चर्य नहीं है कि डोनाल्ड ट्रंप की जीत पर आम भारतीय नागरिकों ने भी खुशी मनाई। भारत के लोगों ने उनके भाषणों के वीडियो शेयर किए। उनके दो भाषण सबसे ज्यादा शेयर किए गए। अपने एक भाषण में ट्रंप ने कहा कि, 'मैं हिंदुओं का बहुत बड़ा प्रशंसक हूं। मैं भारत का बहुत बड़ा प्रशंसक हूं। अगर मैं चुनाव जीता तो हिंदुओं का, भारतीयों का एक सच्चा दोस्त व्हाइट हाउस में होगा। उन्होंने आगे कहा, 'भारतीय हिंदुओं की कई पीढियों ने हमारे देश अमेरिका को मजबूत बनाने में बड़ी भूमिका निभाई है। अमेरिका में राष्ट्रपति के चुनाव के 256 साल के इतिहास में किसी राष्ट्रपति ने भारत और हिंदुओं के बारे में इतनी सकारात्मक, सार्थक और अच्छी बातें नहीं कही हैं।

ट्रंप का एक और भाषण जो भारत में बहुत प्रसारित हुआ उसमें उन्होंने बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार का मुद्दा उठाया। ट्रंप ने कहा कि बांग्लादेश में हिंदुओं पर जो अत्याचार हो रहा है वह बर्बर है। दुनिया का कोई नेता, जब बांग्लादेश में प्रताड़ित हो रहे हिंदओं के पक्ष में खड़ा नहीं हुआ तो ट्रंप हुए। क्या यह कोई मामूली बात है? क्या इस पर भारत के लोगों को खुशी नहीं मनानी चाहिए? ट्रंप की जीत पर भारतीयों के खुशी मनाने के एक नहीं कई कारण हैं। एक कारण तो यह है कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के साथ उनके निजी संबंध बहुत अच्छे हैं। वे हमेशा प्रधानमंत्री की तारीफ करते रहे हैं और कई मौकों पर कहा है कि भारत के हितों की रक्षा के लिए श्री नरेंद्र मोदी कुछ भी कर सकते हैं। दोनों नेताओं के निजी संबंधों की केमिस्ट्री कैसी है यह टेक्सास के ह्यूस्टन में हुए 'हाउडी मोदी और अहमदाबाद में हुए 'नमस्ते ट्रंप कार्यक्रम में दिखा। एक कार्यक्रम में अमेरिका में मोदी, मोदी के नारे लगे थे तो दूसरे में भारत में ट्रंप, ट्रंप के नारे लगे थे। दुनिया के दो सबसे बड़े और जीवंत लोकतांत्रिक देशों के नेताओं के हित एकाकार हो गए दिखते हैं। ट्रंप की जीत और प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के साथ उनके प्रगाढ़ संबंधों से इस बात की गारंटी है कि अब दुनिया में कहीं भी भारत के और हिंदुओं के हितों को नुकसान पहुंचाने वालों की खैर नहीं होगी। दुनिया जानती है कि आतंकवाद से सबसे ज्यादा पीड़ित देश भारत है। भारत का एक पड़ोसी देश दशकों से छद्म युद्ध छेड़े हुआ है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत की बढ़ती प्रतिष्ठा और मजबूत होती आर्थिकी से परेशान अनेक वैश्विक ताकतें भारत विरोधी गतिविधियों में जुट गई हैं। अमेरिका से लेकर ब्रिटेन और कनाडा तक की सरजमीं से भारत विरोधी गतिविधियां संचालित की जा रही हैं। भारत के टुकड़े टुकड़े करने की इच्छा रखने वालों को मदद दी जा रही है। अलगाववादियों को शरण मिल रही है। डोनाल्ड ट्रंप की आतंकवाद पर सख्त नीति से ऐसी गतिविधियों पर लगाम लगेगी। कनाडा और अमेरिका में बैठ कर भारत के खिलाफ अभियान चलाने वाली ताकतें कमजोर होंगी। अलगाववादियों के प्रत्यर्पण का रास्ता भी साफ होगा। अमेरिका से हाल के दिनों में जो तनाव बना था उसमें कमी आएगी। अमेरिका के बाद कनाडा में सत्ता परिवर्तन की बारी है। डोनाल्ड ट्रंप के सबसे मुखर समर्थक और दुनिया के सबसे अमीर उद्योगपति इलॉन मस्क ने कहा है कि अगले चुनाव में कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो हारेंगे। गौरतलब है कि मस्क ने ट्रंप के समर्थन में अपना सब कुछ दांव पर लगाया था। दुनिया के किसी कारोबारी ने कभी भी राजनीति में जो नहीं किया होगा वह मस्क ने किया। उन्होंने ट्रंप के प्रचार में करोड़ों डॉलर खर्च किए। मस्क ने ही अर्ली वोटिंग में हर दिन एक मतदाता को 10 लाख डॉलर देने का ऐलान करके ट्रंप का माहौल बनाया। तभी पांच नवंबर को हुए मतदान से पहले ही अर्ली वोटिंग में आठ करोड़ से ज्यादा वोट पड़े और ट्रंप के जीतने का आधार पहले ही बन गया था। अभिव्यक्ति की आजादी, निर्बाध व्यापार की स्वतंत्रता, लोकतंत्र के लिए प्रतिबद्धता और आतंकवाद विरोध के विचार में मस्क ने ट्रंप का साथ दिया। इसी सोच में वे कनाडा में ट्रूडो सरकार की विदाई का बंदोबस्त भी करेंगे। सोचिए यह भारत के लिए कितनी सुखद बात होगी कि अपनी मूर्खता और स्वार्थ से भरी राजनीति में भारत और कनाडा के संबंधों को तहस नहस करने वाले जस्टिन ट्रूडो विदा होंगे। डोनाल्ड ट्रंप ने हमेशा पाकिस्तान को एक मवाली मुल्क माना है। उन्होंने राष्ट्रपति रहते उसकी मदद रोक दी थी। जो बाइडेन के शासन में फिर से पाकिस्तान को मदद मिलनी शुरू हुई है। लेकिन अब इस बात की पूरी संभावना है कि डोनाल्ड ट्रंप के राज में पाकिस्तान फिर अलग थलग होगा। उसे अमेरिका से कोई मदद नहीं मिलेगी। इतना ही विश्व बैंक और अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष यानी आईएमएफ जैसी संस्थाओं से भी पाकिस्तान को जो मदद मिल रही है वह बंद होगी। यह सामान्य सामरिक समझ की बात है कि अगर पाकिस्तान को मिलने वाली आर्थिक मदद बंद होती है तो उसके यहां फल फूल रहे आतंकवाद के नेटवर्क की कमर टूटेगी, जिसका सबसे बड़ा फायदा भारत को होगा। इससे भारत के खिलाफ चल रहा छद्म युद्ध कमजोर पड़ेगा। इसी तरह राष्ट्रपति बनने के बाद ट्रंप पहले कार्यकाल की तरह इजराइल और अरब के देशों के बीच संबंधों को सामान्य करने का प्रयास करेंगे। अगर अमेरिका, इजराइल और अरब देशों के संबंध सामान्य होते हैं तो यह भारत के लिए सामरिक और आर्थिक दोनों नजरिए से अच्छा होगा। रूस और चीन के साथ ट्रंप के संबंध उलझे हुए हैं। परंतु इस उलझाव के बावजूद वे जो भी नीति अख्तियार करेंगे उससे भारत को फायदा ही होगा। रूसी राष्ट्रपति पुतिन ने जिस तरह से ट्रंप के प्रति रुख दिखाया है उससे लगता है कि रूस और अमेरिका के संबंधों में भी सामान्यीकरण की शुरुआत होगी। बाइडेन प्रशासन में दोनों के संबंध तनाव वाले रहे। तभी भारत के लिए भी अपने पुराने और आजमाए हुए दोस्त रूस के साथ कारोबारी या सामरिक संबंधों में मुश्किलें आईं। पिछले ही दिनों खबर आई कि अमेरिका ने भारत की 19 कंपनियों को इसलिए काली सूची में डाल दिया क्योंकि वे रूस के साथ कारोबार कर रही थीं। ट्रंप के कार्यकाल में इस तरह की घटनाएं नहीं होंगी। इससे रूस के साथ भारत के आर्थिक और रक्षा संबंध मजबूत होंगे। इसी तरह ट्रंप कह चुके हैं कि वे चीनी उत्पादों पर दो सौ फीसदी आयात शुल्क लगाएंगे। चीन जो दुनिया की फैक्टरी बना हुआ है, उसका यह स्टैटस ट्रंप खत्म करना चाहेंगे और ऐसे में उनकी व दुनिया की पहली पसंद भारत होगा। अगर चीन से व्यापार में कमी आती है तो भारत के साथ व्यापार बढ़ सकता है। भारत में सेमी कंडक्टर सहित दूसरे उत्पादों के निर्माण की नई इकाइयों के लिए भी रास्ता बनेगा। अगर सामरिक मामले की बात करें तो अमेरिका के साथ भारत के संबंध अब भी अच्छे हैं। हाल ही में भारत ने अमेरिका से 32 हजार करोड़ रुपए की हथियार खरीद का समझौता किया है। भारत 31 प्रिडेटर ड्रोन खरीद रहा है। परंतु ट्रंप के शासन में भारत को अमेरिका का विशेष लड़ाकू विमान एफ 35 भी मिल सकता है। राफेल के बाद अगर एफ 35 लड़ाकू विमान भारत को मिलता है तो भारत की वायु प्रतिरक्षा ताकत कितनी बढ़ जाएगी इसका अंदाजा लगाया जा सकता है। क्वाड से लेकर फाइव आइज देशों के साथ भारत के संबंध बेहतर होंगे और इन देशों के साथ खुफिया सूचनाओं की साझेदारी भी बढ़ेगी। सो, हिंदू हितों की बात हो या भारत की आर्थिक, सामरिक या कूटनीतिक ताकत का मामला हो, ट्रंप हर मोर्चे पर भारत के सच्चे मित्र साबित होंगे।

ग्रामीण युवा भारत के डिजिटल परिवर्तन का नेतृत्व कर रहे हैं

पंकज जगन्नाथ जयस्वाल

केंद्र की भाजपा सरकार के साथ-साथ भाजपा शासित राज्य और एनडीए सरकारें ग्रामीण विकास को बढ़ावा देने के लिए निरंतर प्रयास कर रही हैं। हमारा देश लगभग 6 लाख गांवों से बना है। कांग्रेस के शासनकाल में सामाजिक और आर्थिक विकास के मामले में उनकी अनदेखी की गई। कांग्रेस के शासन के दौरान वे तकनीकी उन्नति के मामले में पीछे रह गए। मोदी सरकार ने सभी क्षेत्रों में ग्राम विकास के लिए 360 डिग्री का दृष्टिकोण अपनाया है। ग्रामीण युवाओं को डिजिटल दुनिया से जोड़ना एक महत्वपूर्ण कार्य है। "देश के युवा" भारत के भविष्य के पथ प्रदर्शक हैं, जो अपने उत्साह और आविष्कारशीलता के साथ अमृत काल के सपनों को आगे बढ़ा रहे हैं। जैसे-जैसे देश डिजिटल परिवर्तन से गुजर रहा है, इस विस्तार का उद्देश्य न केवल कई क्षेत्रों में दक्षता बढ़ाना है, बल्कि एक ऐसी दुनिया बनाना है जिसमें प्रौद्योगिकी व्यक्तियों को अपने जीवन को बेहतर बनाने के लिए सशक्त बनाती है। डिजिटलीकरण के उदय ने नई संभावनाओं को जन्म दिया है, जिससे लाखों लोगों को पहले अप्राप्य अवसरों को भुनाने का मौका मिला है। इस वर्ष के विकास को पूर्ण वार्षिक मॉड्यूलर सर्वेक्षण (जुलाई 2022-जून 2023) में शामिल किया गया है, विशेष रूप से यह कि किस प्रकार ग्रामीण युवा प्रौद्योगिकी को अपना रहे हैं, डिजिटल उपकरणों को रोजमर्रा की जिंदगी में एकीकृत कर रहे हैं तथा विभिन्न क्षेत्रों में अंतर को पाट रहे हैं।

ग्रामीण भारत में डिजिटल प्रौद्योगिकी का उपयोग- ग्रामीण भारत में जबरदस्त बदलाव हो रहा है, क्योंकि अधिक से अधिक युवा प्रौद्योगिकी को अपना रहे हैं और डिजिटल दुनिया से जुड़ रहे हैं। मोबाइल प्रौद्योगिकी अपनाने की प्रवृत्ति बढ़ रही है और अधिक से अधिक ग्रामीण युवा अपनी दिनचर्या में डिजिटल उपकरणों को अपना रहे हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में, 15-24 वर्ष के 95.7% युवाओं के पास मोबाइल फोन की सुविधा है, जबकि शहरी क्षेत्रों में यह 97% है। 4जी ग्रामीण आबादी के 99.5% लोगों को कवर करता है। शहरी क्षेत्रों में, 99.8% आबादी के पास 4जी नेटवर्क की सुविधा है। ग्रामीण क्षेत्रों में, 15-24 वर्ष के 82.1% युवाओं के पास अब इंटरनेट कनेक्शन है, जो दर्शाता है कि यह पीढ़ी तेजी से कनेक्ट हो रही है। हालाँकि महानगरीय क्षेत्रों में इस आयु वर्ग के लिए 91.8% इंटरनेट कनेक्टिविटी है, लेकिन यह अंतर धीरे-धीरे कम हो रहा है। एक व्यापक वार्षिक मॉड्यूलर सर्वेक्षण ने संकेत दिया कि सर्वेक्षण से पहले तीन महीनों में 15-24 वर्ष की आयु के 80.4% ग्रामीण युवाओं ने इंटरनेट का उपयोग किया, जो ग्रामीण भारत में अब तक की सबसे अधिक दर है। इसके विपरीत, महानगरीय क्षेत्रों में उपयोग थोड़ा अधिक (15-29 आयु वर्ग के बीच 91.0%) था। यह विस्तारित प्रवृत्ति ग्रामीण भारत के हृदय में हो रहे तेजी से हो रहे तकनीकी परिवर्तन पर जोर देती है, जो डिजिटल समावेशन और सशक्तिकरण के एक नए युग की शुरुआत कर रही है।

प्रौद्योगिकी के उपयोग का उद्देश्य- ग्रामीण भारत की डिजिटल यात्रा जारी है, युवा लोग लगातार नई प्रौद्योगिकी क्षमताएँ प्राप्त कर रहे हैं। हालाँकि हर कोई डिजिटल तकनीकों का पूरी तरह से उपयोग करने में सक्षम नहीं है, लेकिन कई लोग इस बदलते परिदृश्य में आगे बढ़ रहे हैं। सूचना प्राप्त करने के लिए इंटरनेट का उपयोग भी बढ़ रहा है, 15-24 वर्ष के 60.4% युवा सक्रिय रूप

से ऑनलाइन जानकारी की तलाश कर रहे हैं। ईमेल और इंटरनेट बैंकिंग तेजी से लोकप्रिय हो रहे हैं। ग्रामीण युवाओं के बीच डिजिटल कौशल को लगातार अपनाने से ग्रामीण भारत अधिक जुड़ा हुआ और सशक्त हो रहा है, जहाँ प्रौद्योगिकी नए अवसर और विकास प्रदान करती है।

यूनिवर्सल कनेक्टिविटी और डिजिटल इंडिया के लिए सरकारी पहल- सरकार ने डिजिटलीकरण को बढ़ावा देने के लिए कई उपायों और नीतियां बनाकर योगदान दिया है, जिसने भारत के कनेक्टिविटी परिदृश्य को नाटकीय रूप से बदल दिया है। डिजिटल इंडिया पहल ने कई प्रौद्योगिकी-आधारित स्टार्टअप और नवाचार योजनाओं को लागू किया है, जिसमें टेक्नोलॉजी इनक्यूबेशन एंड डेवलपमेंट ऑफ़ एंटरप्रेन्योर्स (TIDE 2.0), जेन-नेक्स्ट सपोर्ट फ़ॉर इनोवेटिव स्टार्टअप्स (GENESIS), डोमेन स्पेसिफ़िक सेंटर ऑफ़ एक्सीलेंस (CoEs) और नेक्स्ट जेनरेशन इनक्यूबेशन स्कीम (NGIS) शामिल हैं। इसके अलावा, भारत नेट परियोजना, जो ग्रामीण क्षेत्रों को ऑप्टिकल फ़ाइबर लाइनों से जोड़ती है और USOF (यूनिवर्सल सर्विस ऑब्लिगेशन फंड) योजना, जो दूरदराज के समुदायों को 4G सेवाएँ प्रदान करती है, को इंटरनेट उपलब्धता बढ़ाने के लिए अपनाया गया है। भारत बीपीओ प्रमोशन स्कीम (IBPS) और नॉर्थ ईस्ट बीपीओ प्रमोशन स्कीम (NEBPS) कम सेवा वाले क्षेत्रों में IT/ITES विकास को प्रोत्साहित करती हैं, जिसके परिणामस्वरूप नौकरी की संभावनाएँ बढ़ती हैं। पीएम वाणी कार्यक्रम भी चल रहा है, जिसका उद्देश्य पूरे देश में सार्वजनिक वाई-फाई हॉटस्पॉट प्रदान करना है। इन परियोजनाओं ने मिलकर डिजिटल विभाजन को पाटने और भारत की डिजिटल क्रांति को आगे बढ़ाने में मदद हो रही है। भारत का ग्रामीण डिजिटल विकास युवाओं को प्रौद्योगिकी का उपयोग करने के लिए सशक्त बना रहा है, जिससे दैनिक जीवन में बड़े बदलाव आ रहे हैं और शहरी-ग्रामीण विभाजन समाप्त हो रहा है। कम लागत वाले हाई-स्पीड इंटरनेट और विभिन्न सरकारी पहलों की उपलब्धता के साथ, ग्रामीण युवा संचार, स्टार्ट-अप, शिक्षा और आर्थिक विकास के लिए डिजिटल उपकरणों का उपयोग करने में सक्षम हो रहे हैं।

मेष राशिः आज आपका मन आध्यात्म के प्रति अधिक रहेगा। परिवार केसाथ किसी धार्मिक स्थान पर जाने का प्लान बनायेंगे। ऑफिस में किसी कामको लेकर आपकी तारीफ़ होगी । इस राशि के नवविवाहितों के लिए आज का दिनकाफी अच्छा रहने वाला है। रचनात्मक काम से आपको धन लाभ होगा। आज आपका स्वास्थ्य बेहतर रहने वाला है। आज आपको लोगों का सहयोग मिलेगा।

वृष राशिः आज आपका दिन शानदार रहेगा। आज आपके काम आपके मन- मुताबिक पूरे होंगे। मित्रों के साथ किसी खास विषय पर बातचीत होगी, जिससे आपको ही फायदा होगा। किसी भी काम को करने में पूरा मन लगेगा। आपका दाम्पत्य जीवन मधुर रहेगा। आपको नए काम को करने के लिये कुछ अच्छे अवसर मिलेंगे। आज खुद को शांत रखने की भी कोशिश करेंगे। आज नए कामों को शुरु करने की प्लानिंग करेंगें ।

मिथुन राशिः आज आपका दिन ठीक-ठाक रहेगा। इस राशि के स्टूडेंट्स कोकड़ी मेहनत करने की जरुरत है। किसी भी काम को शुरू करने से पहले जीवनसाथी से राय-मशविरा कर लेना अच्छा रहेगा। आज आपको धैर्य और संयमके साथ अपने कार्यों को पूरा करने की कोशिश करनी चाहिए। परिवार के साथ बैठ कर बात करने से पारिवारिक समस्याओं का हल निकलेगा। आज संतान पक्षसे कोई शुभ समाचार प्राप्त होगा।

कर्क राशिः आज थोड़ी-सी मेहनत से आपको बड़ा मुनाफा मिलने वाला है। समाज में आपका मान-सम्मान बढ़ेगा। रूका हुआ काम अगर फिर से शुरू करेंगे,तो वह जरुर पूरा हो जायेगा। जीवनसाथी के साथ किसी अच्छे रेस्टोरेंट में डिनर करने का मन बनायेंगे। इस राशि के कंप्यूटर के स्टूडेंट्स के लिए आज का दिन बेहतर है। आप जितनी मेहनत करेंगे, आपको उतने ही बढ़िया नतीजे भी मिलेंगे ।

सिंह राशिः आज आपका दिन फेवरेबल रहेगा। लोगों का विश्वास आप पर बना रहेगा। इस राशि के हाई एजुकेशन पाने की ख्वाहिश रखने वाले स्टूडेंट्स के लिये आज का दिन अनुकूल है। बच्चों की तरफ से शुभ समाचार मिलेगा। घर का माहौल खुशनुमा बना रहेगा । दाम्पत्य जीवन में आपसी सामंजस्य उत्तम रहेगा। सेहत पहले से बेहतर बनी रहेगी ।

कन्या राशिः आज आपका दिन अच्छा रहने वाला है। आज आपको ऑफिस के अधिकारियों के साथ ताल-मेल बनाकर कार्य करने की जरुरत है। आज आपको धन लाभ के नए सोर्स नजर आयेंगे। आपको परिवार के किसी काम से यात्रा करनी पड़ेगी। आज किसी पुराने कोर्ट केस का फैसला आपके पक्ष में आयेगा। आज आपको दूसरों के कामों में दखल देने से बचना चाहिए ।

तुला राशिः आज आपका दिन पहले की अपेक्षा अच्छा रहेगा। आज ऑफिस में बड़े अधिकारियों का सहयोग प्राप्त होगा। आमदनी में इज़ाफ़ा होने के आसार नज़र आ रहे हैं। पूरे दिन खुद को तरोताज़ा महसूस करेंगे । इस राशि के राजनीति से जुड़े लोगों के लिये आज का दिन बेहद अच्छा है । घर परिवार का वातावरण शांतिदायक रहेगा। आज घर पर कोई धार्मिक अनुष्ठान कराने का मन बनायेंगे। संतान की ओर से खुशियाँ प्राप्त होगी।

वृश्चिक राशिः आज आपका दिन मिला-जुला रहेगा। आज इलेक्ट्रॉनिक सामान की खरीदारी करने का मन बनायेंगे। किसी कोर्ट केस का फैसला आने में देर होगी। आप जो भी कार्य करने की सोचेंगे, उसे लेकर पॉज़िटिव नज़रिया रखने से वह तय वक्त में पूरा हो जायेगा । विद्यार्थियों का मन पढ़ाई में लगेगा ।

धनु राशिः आज आपका दिन अनुकूल रहेगा। इस राशि के लवमेट के लिए आज का दिन बेहतर रहेगा । जरूरतमंद मित्रों की तरफ आप मदद का हाथ बढ़ायेंगे । आज आपकी आर्थिक स्थिति में सुधार होगा । इस राशि के छात्रों को अधिक मेहनत करने की जरुरत है । जीवनसाथी से आज कोई खास खुशखबरी प्राप्त होगी, जिससे आप पूरे दिन प्रसन्न रहेंगे ।

मकर राशिः आज आपका दिन बढ़िया रहेगा । आप परिवारवालों के साथ अच्छा वक्त बिताएंगे । इस राशि के जो लोग मार्केटिंग से जुड़े हुए हैं, उन्हें तरक्की के कई सुनहरे मौके मिलेंगे । किसी जरुरतमंद की मदद करने से आपको आनंद की अनुभूति होगी ।

कुंभ राशिः आज आपका दिन अच्छा रहेगा । घर में खुशी का माहौल बनेगा। संतान पक्ष से आपको खुशी मिलेगी । जीवनसाथी के साथ आपका तालमेल बढ़िया रहेगा । करोबार में लाभ के अवसर मिलेंगे । आज आप अपने ज्यादातर कार्य समय रहते पूरा करने में सफल होंगे । स्टूडेंट्स के लिए आज का दिन अच्छा रहेगा ।

मीन राशिः आज आप खुद को एनर्जी से भरा महसूस करेंगे । आप जिस काम को करेंगे, वो समय से पहले पूरा हो जायेगा । इस राशि के इंजीनीयर्स अपने अनुभव का प्रयोग सही दिशा में करेंगे । किसी जरूरी काम में जीवनसाथी की सलाह लेना फायदेमंद रहेगा । प्राइवेट जॉब करने वाले लोगों के लिए आज का दिन अच्छा रहने वाला है ।

शब्द सामर्थ्य -237

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं :
1. अनुचित, असत्य, जो ठीक न हो 3. बेवजह, बिनाकारण, व्यर्थ 4. हल्कीनींद, चकमा, धोखा 6. शक्कर पानी आदि का मीठा घोल 10. सोते से उठाना, सावधान करना, प्रदीप्त करना 11. चरमसीमा, सीमांत 14. पानी, आंसू 15. बैठा हुआ, विराजित 16. नृत्य 17. मृतप्राय, मृत्यु के करीब 19. जल, अम्बु 22. उपहार, भेंट 23. खबर, संदेश।

ऊपर से नीचे
1. गणपतिजी, 2. मांगनेवाला, पाने की इच्छा करने वाला 3. मिट्टी के रंग का, मटमैला 5. चला आता हुआ क्रम प्रथा, प्रणाली, रीति-रीवाज, 7. निशाचर, रात में विचरण करने वाला 8. पेड़ का धड़ा जहां से शाखाएं निकलती है, 9. मिठाई, खाने की मीठी चीज 12. शासन, गुस्सबात 13. श्रद्धा, स्त्री, जयशंकर प्रसाद द्वारा रचित प्रसिद्ध महाकाव्य 15. विपत्तिग्रस्त, दुखी, अभागा 16. प्रसिद्ध, नामवर 18. स्वप्न, ख्वाब 20. करीब, नजदीक, समीप 21. सुबह, प्रातः, सबेरा।

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 236 का हल

अ	भि	षे	क		प	स		
जा	त		थ	प	थ	पा	ना	
य	र	का	नी		भ्र		र	श्मि
ब	घा	र		क	ष्ट	प्र	द	
	त	ना	त	नी		र्व		ब
अ		मा		ज	मा	त		ल
स	जा					क	ज	रा
बा		बे	स	हा	रा		ग	म
ब	गु	ला		रा	ज	दू	त	

प्रकाशक एवं स्वामी सागर सूरज, द्वारा सरोतर निवास, राजाबाजार-कचहरी रोड, मोतिहारी, बिहार-845401 से प्रकाशित व प्रकाश प्रेस मोतिहारी से मुद्रित, संपादक-सागर सूरज* फोन न.9470050309 प्रसारः-9931408109 ईमेलः-bordernewsmirror@gmail.com वेबसाइटः-bordernewsmirror.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) RNI. N. BIHBIL/2022/88070

हार के बाद एकदूसरे का सामना करेंगी भारत-ऑस्ट्रेलिया

सिडनी। भारतीय क्रिकेट अभी ऑस्ट्रेलिया दौरे पर है। टीम इंडिया को इस सीरीज से पहले न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज में क्लीन स्वीप का सामना करना पड़ा था। जिससे बाद से ही कहा जा रहा है कि कप्तान कप्तान रोहित शर्मा, विराट कोहली और कोच गौतम गंभीर के लिए ये सीरीज बेहद अहम है। इस सीरीज में भारतीय टीम हारी तो इनके लिए बने रहना कठिन हो जाएगा। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच पांच मैचों की ये टेस्ट सीरीज 22 नवंबर से शुरु होगी। ये सीरीज रोमांचक होना तय है। इसका कारण है कि इस बार दोनों टीमें हार के बाद एकदूसरे का सामना करेंगी जहां भारतीय टीम न्यूजीलैंड से 0-3 से उबरने का प्रयास करेगी। वहीं मेजबान ऑस्ट्रेलिया का मनोबल भी पाकिस्तान से एकदिववसीय सीरीज में 2-1 से मिली हार के बाद गिरा है। मेजबान टीम के मुकाबले भारतीय टीम की संभावनएं थोड़ी कमजोर है। इसका कारण है कि ऑस्ट्रेलिया को घरेलू हालातों का लाभ मिलेगा। भारतीय टीम का अति आत्मविश्वास का रवैया भी उसे नुकसान पहुंचा सकता है। कीवी टीम से हार के बाद जिस प्रकार से रोहित ने टीम का बचाव करते हुए था कि उन्हें इस प्रकार के परिणाम की उम्मीद नहीं थी दिखाता है कि टीम का रुख लापरवाही भरा रहा और बल्लेबाजों ने मैदान में टिककर खेलने का प्रयास नहीं किया। इसके अलावा उनकी बॉडी लैंग्वेज भी नकारात्मक नजर आयी। वहीं इसी प्रकार कोच गौतम गंभीर ने भी ऑस्ट्रेलिया रवाना होने से पहले कहा था कि वह अभी विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप (डब्ल्यूटीसी) के बारे में नहीं सोच रहे हैं जबकि भारत को फाइनल में जगह बनाने इस सीरीज में कम से कम चार मैच जीतने होंगे। इससे टीम की मानसिकता पर भी सवाल उठना लाजिमी है। वहीं इसी को लेकर पूर्व क्रिकेटर संजय मांजरेकर ने भी कोच का तरीक सही नहीं था। उन्हें सभी शब्दों का चयन करना चाहिये था।

मैकस्वीनी अपना स्वाभाविक खेल खेलें : ख्वाजा

पर्थ। ऑस्ट्रेलिया के सलामी बल्लेबाज उस्मान ख्वाजा ने युवा बल्लेबाज नाथन मैकस्वीनी से कहा है कि उन्हें अपना स्वाभाविक खेल खेलना चाहिये। मैकस्वीनी को भारत के खिलाफ होने वाली बॉर्डर गावस्कर सीरीज के लिए ख्वाजा का जोड़ीदार बनाया गया है। ख्वाजा के अनुसार मैकस्वीनी को पूर्व सलामी बल्लेबाज डेविड वार्नर की नकल करने की जरुरत नहीं है। उन्होंने कहा कि तेजी से रन बनाना ही सबकुछ नहीं है। इसलिए मैकस्वीनी उसी प्रकार से खेलें जिससे उन्हें सफलता मिलती है। सा ही कहा, 'मुझे नहीं पता कि यह धारण कैसे बनी कि आपको कोई आक्रामक खिलाड़ी शुरुआत में चाहिये होत है। सलामी बल्लेबाज के रूप में आप रन बनाने का प्रयास करते हैं और इसके लिए आपके पास पांच दिन का समय होता है। पिछले साल हमारा कोई टेस्ट मैच पांच दिन तक भी नहीं चला। सलामी बल्लेबाजी का मतलब तेज से रन बनाना नहीं बल्कि मैदान में टिके रहना होता है। वहीं वार्नर को लेकर उन्होंने कहा कि हर कोई उनके जैसी आक्रामक शैली नहीं अपना सकता जिसके तहत वह टेस्ट प्रारूप में भी तेजी से रन बना सकते थे। ख्वाजा ने कहा, ' वार्नर विशेष खिलाड़ी थे। वह कठिन समय में विकेट पर टिककर लंबी पारी भी खेलते थे। वह कभी-कभी 100 गेंद में 100 रन बना लेते थे पर वह हर बार ऐसा नहीं करते थे। कभी-कभी उन्हें 100 रन बनाने के लिए 170, 180 गेंद लग जाती थीं। उन्होंने कहा, 'उनके प्रदर्शन में निरंतरता थी, वह क्रीज पर उतरकर बाद में आने वाले लोगों के लिए मंच तैयार कर देते थे जिससे स्कोर आगे ले जाना आसान होता था। ये दोनों काफी महत्वपूर्ण बातें हैं। ख्वाजा को उम्मीह है कि मैकस्वीनी में लंबे समय तक रन बनाकर टिके रहने की क्षमता भी है। साथ ही कहा कि अगर आप मुकाबले को अपने पक्ष में मोड़ना चाहते हैं तो टिककर रन बनाना जरुरी है। मैकस्वीनी ने घरेलू क्रिकेट के साथ ही भारत ए के खिलाफ सीरीज में भी ऑस्ट्रेलिया ए की कप्तानी करते हुए शानदार प्रदर्शन किया था।

बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी में अहम भूमिका निभा सकते हैं दोनो विकेटकीपर : फिंच

सिडनी। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान आरोन फिंच के अनुसार इसी माह शुरु हो रही बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी में ऋषभ पंत और एलेक्स कैरी अहम भूमिका निभा सकते हैं। फिंच को लगता है कि दोनों विकेटकीपर आक्रामक बल्लेबाजी के बल पर अपनी टीमों के लिए भी भी मैच का रुख बदल सकते हैं। फिंच ने कहा, 'मुझे लगता है कि सीरीज में कैरी और ऋषभ अहम हो सकते हैं। सीरीज में जब शीर्ष क्रम के बल्लेबाज नहीं चल पाएंगे तब ये दोनो ही अपनी टीम के बचाव में उतरेंगे। यह दोनों तेज गेंदबाजी आक्रमण को अच्छी तरह से खेलते हैं। इसलिए मुझे लगता है कि सातवें नंबर पर एलेक्स और छठे नंबर पर ऋषभ की भूमिका महत्वपूर्ण रहेगी। भारत की पिछली सीरीज में भी दोनो ने ही अच्छा प्रयास किया था। फिंच ने कहा, 'कैरी और ऋषभ आक्रामक रुख वाले हैं। ऐसे में खेल वास्तव में दोनो ही तरफ से तेजी से आगे बढ़ेगा और मुझे लगता है कि यह बहुत रोमांचक होगा। वहीं पूर्व विकेटकीपर बल्लेबाज ब्रैड हैडिन के अनुसार भारतीय बल्लेबाजों के लिए ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाजों का सामना करना कठिन रहेगा। हैडिन का मानना है कि पैट कमिंस, मिशेल स्टार्क और जोश हेजलवुड की तेज गेंदबाजी तिकड़ी उछाल भरी पिचों पर भारतीय बल्लेबाजों की परीक्षा लेगी। उन्होंने कहा, ''मुझे नहीं लगता कि भारतीय बल्लेबाज हमारे तेज गेंदबाजों के सामने टिक पाएंगे।

साथ ही कहा कि अगर भारतीय टीम के कप्तान रोहित शर्मा अगर पर्थ में शुरू होने वाले पहले टेस्ट मैच में नहीं खेल पाते हैं तो यशस्वी जायसवाल के साथ केएल राहुल या अभिमन्यु ईश्वरन पारी की शुरुआत कर सकते हैं। साथ ही कहा कि यशस्वी आक्रामक टेस्ट सलामी बल्लेबाजों में से एक के रूप में उभरे हैं। उन्होंने अभी तक 14 मैच में 56.28 की प्रभावशाली औसत से 1,407 रन बनाए हैं, जिसमें तीन शतक और आठ अर्द्धशतक शामिल हैं। उनका सबसे अधिक स्कोर नाबाद 214 रन रहा है। हैडिन को लगता है कि इस युवा सलामी बल्लेबाज की असली परीक्षा ऑस्ट्रेलिया में होगी।

टायसन का जेक पॉल से मुकाबला होगा

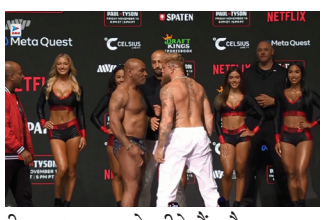

टेक्सास। पूर्व हैवीवेट चैम्पियन माइक टायसन एक बार फिर रिंग में मुक्के बरसाते दिखेंगे। 58 साल के टायसन का मुकाबला इस बार यूट्यूबर से मुक्केबाज बने जेक पॉल से आर्लिंगटन स्थित एटी एंड टी रिंग में होगा। पॉल उनसे करीब 20 साल छोटे हैं और उनकी उम्र 27 साल है। इसी कारण इसे "बैटल ऑफ जेनरेशन" नाम दिया गया है। पहले ये मुकाबला 20 जुलाई को होना था पर टायसन के बीमार होने से इसे स्थगित करना पड़ा था अब ये भारतीय समय के अनुसार सोमवार सुबह होगा। इस मुकाबले से टायसन को दर्शक करीब दो दशक के बाद रिंग में देखेंगे। टायसन ने साल 2005 में केविन मैकब्राइड से हारने के बाद मुक्केबाजी छोड़ दी थी। 20 साल की उम्र में विश्व हेवीवेट टाइटल जीतने वाले सबसे युवा मुक्केबाज बने टायसन ने अपने करियर में 58 में से 50 मुकाबले जीते हैं। ऐसे में उनके प्रशंसकों को उम्मीद है कि वह फिर से बेहतर प्रदर्शन करेंगे। वहीं दूसरी तरफ पॉल को अपनी जीत का भरोस है। 2018 में करियर शुरू करने वाले पॉल ने अब तक 10 में से 9 मुकाबले जीते हैं और वह एक ही मैच हारे हैं। इस बार होने वाले मुकाबले में विशेष बदलाव किये गय हैं। इस मुकाबले में आठ राउंड होंगे, जिनमें हर राउंड दो मिनट का होगा। यह मुकाबला भारतीय समय के अनुसार शनिवार सुबह 16 नवंबर को सुबह 6:30 बजे शुरू होगा। इसे केवल नेटफलीक्स पर देखा जा सकेगा।

पीसीबी भी भारत का दौरा करने से इंकार करे : राशिद लतीफ

लाहौर। पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर राशिद लतीफ ने कहा है कि जिस प्रकार भारतीय बोर्ड (बीसीसीआई) ईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी के लिए पाकिस्तान आने से इंकार कर रहा है। उसी प्रकार हमें भी भारत का दौरा करने से इंकार कर देना चाहिये। राशिद ने कहा कि पाक को भारतीय टीम के खिलाफ कहीं भी नहीं खेलना चाहिये। लतीफ ने कहा कि अगर उनके पास अधिकार होता, तो वह पाक को किसी भी टूर्नामेंट में भारत के खिलाफ खेलने की अनुमति नहीं देते। उन्होंने आईसीसी से यह भी कहा कि कि जब तक दोनों देशों के बीच के मामले हल नहीं होते, तब तक उन्हें वैश्विक प्रतियोगिताओं की मेजबानी का अधिकार भी नहीं दिय जाना चाहिए। इस पूर्व क्रिकेटर ने कहा, अगर पाक को भारत के खिलाफ क्रिकेट नहीं खेलना है, तो उन्हें भी ऐसा करने का पूरा अधिकार है। उन्होंने यह भी कहा कि अगर वह पीसीबी में होते, तो यह कड़ा कदम उठाते। लतीफ ने आगे कहा कि आईसीसी को दोनों देशों को तब तक किसी भी टूर्नामेंट की मेज़बानी नहीं देनी चाहिए, जब तक कि दोनों के बीच के राजनीतिक और अन्य विवाद नहीं सुलझ जाते। उन्होंने आईसीसी की नीति पर सवाल उठाते हुए कहा कि कैसे श्रीलंका और जिम्बाब्वे पर प्रतिबंध लगाए गए, जबकि भारत और पाक के मामले में ऐसा नहीं हो रहा है। इसके अलावा, लतीफ ने बीसीसीआई के पाक में सुरक्षा को लेकर उठाए गए सवालों को खारिज कर दिया। उन्होंने कहा कि आईसीसी की सुरक्षा टीम ने हालातों का आंकलन किया और इसे सुरक्षित पाया था, फिर भी बीसीसीआई का रवैया समझ से परे है। उन्होंने अंत में यह भी कहा कि भारत के खिलाफ मैचों की कमी से पाकिस्तान क्रिकेट को कोई नुकसान नहीं होगा।

व्यापार

गुरु नानक जयंती पर 15 नवंबर को शेयर बाजार बंद

शाम के सेशन में ट्रेडिंग 5:00 बजे से 11:55 बजे तक चालू रहेगी

मुंबई। बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) पर गुरु नानक जयंती के अवसर पर 15 नवंबर को बंद रहेंगे। आज डेरिवेटिव्स, इक्विटीज, करेंसी डेरिवेटिव्स और ब्याज दर डेरिवेटिव्स में ट्रेडिंग बंद रहेगी। कमोडिटी डेरिवेटिव्स सेगमेंट में सुबह का सेशन 9:00 बजे से 5:00 बजे तक बंद रहेगा, जबकि शाम के सेशन में ट्रेडिंग 5:00 बजे से 11:55 बजे तक चालू रहेगी। एनएसई और बीएसई में ट्रेडिंग 18 नवंबर सोमवार से फिर शुरू होगी। बीएसई की वेबसाइट के मुताबिक नवंबर में एक छुट्टी 1 नवंबर को लक्ष्मी पूजा के अवसर पर थी। बाकी दो छुट्टियां 15 नवंबर को गुरु नानक जयंती और 20 नवंबर को महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के लिए हैं। पहले नवंबर में सिर्फ दो ही स्टॉक मार्केट छुट्टियां थीं, लेकिन 20 नवंबर को महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव की घोषणा के बाद बीएसई और एनएसई ने 20 नवंबर को स्टॉक मार्केट की छुट्टी घोषित कर दी। बीएसई के हॉलिडे कैलेंडर के अनुसार, 2024 में कुल 16 दिन के लिए ट्रेडिंग की छुट्टियां घोषित की गई हैं। इस साल अब तक 13 अवसरों पर बाजार बंद रहे हैं। आखिरी बार बाजार 1 नवंबर, शुक्रवार को लक्ष्मी पूजन के लिए बंद हुआ था। वहीं दिसंबर में बाजार 25 दिसंबर बुधवार को क्रिसमस के अवसर पर बंद रहेगा। इसके अलावा बाजार शनिवार और रविवार को सामान्य रूप से कारोबार के लिए बंद रहेगा। विदेशी निवेशकों की लगातार बिकवाली और बढ़ती महंगाई के चलते भारतीय शेयर बाजार में गुरुवार को लगातार तीसरे दिन गिरावट दर्ज की गई। बीएसई का सेंसेक्स 30 शेयरों वाला इंडेक्स 110.64 अंक गिरकर 77,580.31 पर बंद हुआ। हालांकि, शुरुआती कारोबार में यह 254.5 अंक की बढ़त के साथ 77,945.45 तक पहुंच गया था। वहीं एनएसई का निफ्टी 50 इंडेक्स भी 26.35 अंक की गिरावट के साथ 3,532.70 पर बंद हुआ। निफ्टी ने भी शुरुआती कारोबार में 86.25 अंक की बढ़त के साथ 23,645.30 का स्तर छू लिया था।

निवा बूपा के शेयर से निवेशकों को मुनाफा, दिया 6.08 फीसदी रिटर्न

कंपनी का शेयर निर्गम मूल्य से छह फीसदी की बढ़त के साथ सूचीबद्ध

नई दिल्ली। निवा बूपा हेल्थ इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड का शेयर अपने निर्गम मूल्य 74 रुपये के मुकाबले छह फीसदी की बढ़त के साथ गुरुवार को शेयर बाजार में सूचीबद्ध हुआ। कंपनी का बाजार मूल्यांकन 13,520 करोड़ रुपये रहा। चेंज (बीएसई) पर कंपनी के शेयर की शुरुआत छह फीसदी की बढ़त के साथ 78.50 रुपये पर हुई, जो 9.37 फीसदी उछलकर दिन के उच्चतम स्तर 80.94 रुपये पर पहुंच गया। हालांकि, बाद में यह 74 रुपये के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) पर यह 78.14 रुपये पर सूचीबद्ध हुआ, जो निर्गम मूल्य से 5.59 फीसदी अधिक है। कारोबार के अंत में 74.02 रुपये पर स्थिर बंद हुआ। निवा बूपा हेल्थ इंश्योरेंस का बाजार मूल्यांकन (मार्केट कैप) पहले दिन कारोबार के अंत में 13,520 करोड़ रुपये रहा। आकार के लिहाज से बीएसई पर कंपनी के 28.87 लाख शेयरों का कारोबार हुआ। वहीं, एनएसई पर 388.63 लाख शेयरों का आदान-प्रदान हुआ। सोमवार को शेयर बिक्री के समापन के दिन निवा बूपा हेल्थ इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड के आईपीओ को 1.80 गुना अभिदान मिला था। कंपनी ने आईपीओ के लिए मूल्य दायरा 70-74 रुपये प्रति शेयर तय किया था। स्वास्थ्य बीमा क्षेत्र की कंपनी निवा बूपा हेल्थ इंश्योरेंस का इश्यू करीब 2,200 करोड़ रुपये का है। यह आईपीओ 800 करोड़ रुपये के नए इक्विटी शेयरों के निर्गम और प्रवर्तकों की ओर से 1,400 करोड़ रुपये तक की बिक्री पेशकश (ओएफएस) का संयोजन है। कंपनी इस निर्गम से प्राप्त आय का उपयोग 1,500 करोड़ रुपये की सीमा तक पूंजी आधार को बढ़ाने, शोधन क्षमता के स्तर को बनाए रखने, मजबूत करने और सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्यों के लिए करेगी। उल्लेखनीय है कि निवा बूपा हेल्थ इंश्योरेंस लिमिटेड एक भारतीय स्वास्थ्य बीमा कंपनी है, जिसकी स्थापना 2008 में हुई थी। इस कंपनी का मुख्यालय नई दिल्ली में स्थित है। निवा बूपा वित्त वर्ष 2023-24 में 54.94 अरब रुपये के समग्र स्वास्थ्य जीडीपीआई के आधार पर देश की तीसरी सबसे बड़ी और दूसरी तेजी से बढ़ती एसएएचआई है।

अबतक 40 करोड़ से अधिक स्वर्ण आभूषणों की हॉलमार्किंग हुई, प्रतिदिन 4 लाख

नई दिल्ली। सरकार ने गुरुवार को कहा कि अबतक 40 करोड़ से ज्यादा स्वर्ण आभूषणों की हॉलमार्किंग की जा चुकी है। प्रतिदिन 4 लाख से अधिक सोने के आभूषणों की हॉलमार्किंग की जा रही है। उपभोक्ता, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मामलों के मंत्रालय ने एक बयान में बताया कि भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) ने 5 नवंबर से स्वर्ण आभूषण और स्वर्ण कलाकृतियां संशोधन आदेश, 2024 के हॉलमार्किंग के तहत अनिवार्य हॉलमार्किंग का चौथा चरण शुरू किया है। इसके तहत 18 अतिरिक्त जिलों में हॉलमार्किंग केंद्र स्थापित किए गए हैं। चौथे चरण के कार्यान्वयन के बाद अनिवार्य हॉलमार्किंग के तहत कवर किए गए जिलों की कुल संख्या अब 361 हो गई है। अनिवार्य हॉलमार्किंग की शुरुआत के बाद से देश में पंजीकृत ज्वैलर्स की संख्या 34,647 से बढ़कर 1,94,039 पर पहुंच गई है, जो पांच गुना से ज्यादा की उल्लेखनीय वृद्धि है। मंत्रालय ने बताया कि इसी तरह परख और हॉलमार्किंग केंद्रों की संख्या 945 से बढ़कर 1,622 हो गई है। हॉलमार्किंग एक अद्वितीय एचयूआईडी (हॉलमार्क विशिष्ट पहचान) के साथ की जाती है, जिससे बाजार में उपभोक्ताओं के लिए अधिक विश्वास और पारदर्शिता सुनिश्चित हुई है।

लगातार 7वें दिन सस्ता हुआ सोना, चांदी की भी घटी चमक

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में सोने के भाव में आज लगातार 7वें दिन गिरावट आई है। आज सोना 1,100 रुपये से लेकर 1,200 रुपये प्रति 10 ग्राम तक सस्ता हुआ है। इसी तरह चांदी के भाव में भी आज 1,500 रुपये प्रति किलोग्राम तक की गिरावट आई है। सोने की कीमत में आई गिरावट के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना आज 76 हजार रुपये के स्तर से नीचे गिर कर 75,790 रुपये से लेकर 75,640 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना भी 70 हजार के स्तर से नीचे लुढ़क कर 69,490 रुपये से लेकर 69,340 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बना हुआ है। चांदी के भाव में भी गिरावट आने की वजह से दिल्ली सर्राफा बाजार में इसकी कीमत आज 89,400 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर आ गई है। देश की राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना आज 75,790 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 69,490 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं, देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 75,640 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 69,340 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 75,690 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 69,390 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 75,640 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 69,340 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 75,640 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 69,340 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 75,790 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 69,490 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। वहीं, पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 75,690 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई है, जबकि 22 कैरेट सोना 69,390 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह जयपुर में 24 कैरेट सोना 75,790 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 69,490 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी आज सोने की कीमत में बड़ी गिरावट आई है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना आज 75,640 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 69,340 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

फिल्म कंगुवा के योलो-यू ओनली लिव वन्स गाने में दिशा पाटनी का था डीप क्लीवेज एक्सपोजर

सेंसर बोर्ड ने जताई आपत्ति

कंगुवा फिल्म के मेकर्स ने हाल ही में सूर्या और दिशा पाटनी पर फिल्माया गया दूसरा सिंगल योलो- यू ओनली लिव वन्स रिलीज किया है. इस एनर्जेटिक ट्रैक में सूर्या और दिशा एक साथ हैं, जिसे रॉकस्टार डीएसपी के नाम से फेमस देवी श्री प्रसाद ने कंपोज किया है. ट्रैक को सीबीएफसी द्वारा चेक किया गया है, जिसमें दिशा पाटनी का डीप क्लीवेज एक्सपोजर दिखाई दे रहा है. सीबीएफसी ने इस हिस्से को तीन सेकंड के लिए मोडिफाई या हटाने की सलाह दी है, लेकिन आखिरी फैसला प्रोड्यूसर का होगा. कंगुवा फिल्म के दिशा पाटनी के ग्लैमरस गाने में दिखे शानदार लुक ने सेंसरशिप विवाद के बावजूद फैंस के बीच जबरदस्त उत्साह पैदा कर दिया है, जो फिल्म की रिलीज के लिए बेसब्री को और बढ़ा रहा है. फिल्म, जो स्टूडियो ग्रीन और यूवी क्रिएशन्स के बैनर तले बनाई गई है, शानदार विजुअल्स से भरपूर होगी, जिसकी सिनेमैटोग्राफी वेट्री पलानीसामी ने की है और एडिटिंग निषाद यूसुफ ने की है. बॉबी देओल इस फिल्म में विलेन के रूप में नजर आने वाले हैं और फिल्म दो पार्ट में रिलीज होगी. कंगुवा 14 नवम्बर, 2024 को सिनेमाघरों में दस्तक देने वाली है. जैसे-जैसे फिल्म की रिलीज का दिन पास आता जा रहा है, इसकी उत्सुकता भी बढ़ती जा रही है, खासकर योलो सॉन्ग के जबरदस्त हिट होने के बाद से. सूर्या और डायरेक्टर शिवा का यह शानदार कोलैबोरेशन एक बार फिर पर्दे पर दिखेगा, और यह फिल्म इस साल की मच अवेटेड ब्लॉकबस्टर बनती नजर आ रही है. कंगुवा की एडवांस बुकिंग भी शुरू हो चुकी है. सैकनिल्क की रिपोर्ट के मुताबिक फिल्म के इंडिया में पहले दिन के 18037 से ज्यादा टिकट से बिक चुके हैं. एडवांस बुकिंग से ही अब तक कंगुवा ने 30.7 लाख रुपये से ज्यादा का कलेक्शन कर लिया है. अगर ब्लॉक सीट्स की संख्या जोड़ दी जाए तो ये कमाई 83.73 लाख रुपये पहुंच रही है.

सिकंदर का मुकद्दर की रिलीज तारीख से उठा पर्दा, पहला पोस्टर आया सामने

अभिनेत्री तमन्ना भाटिया मौजूदा वक्त में अपनी आगामी फिल्म सिकंदर का मुकद्दर को लेकर सुर्खियां बटोर रही हैं।इस फिल्म में उनके साथ जिमी शेरगिल भी मुख्य भूमिका में नजर आएंगे। अविनाश तिवारी भी इस फिल्म का अहस हिस्सा हैं।अजय देवगन और तब्बू की फिल्म औरों में कहां दम था का निर्देशन कर चुके नीरज पांडे ने सिकंदर का मुकद्दर के निर्देशन की कमान संभाली है।अब सिकंदर का मुकद्दर की रिलीज तारीख से पर्दा उठ गया है। सिकंदर का मुकद्दर सिनेमाघरों में नहीं, बल्कि ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर रिलीज होने जा रही है। इस फिल्म को आप 29 नवंबर, 2024 से नेटफ्लिक्स पर देख सकते हैं।इसके साथ सिकंदर का मुकद्दर का पहला पोस्टर भी सामने आ चुका है, जिसमें तमन्ना, जिमी और अविनाश की तिकड़ी कमाल दिख रही है।नेटफ्लिक्स इंडिया ने पोस्टर साझा करते हुए कैप्शन में लिखा, तीन अरोपी, लेकिन कौन अप्राधि? केस जल्दी ही खुल जाएगा। स्पेशल 26, बेबी और एमएस धोनी: द अनटोल्ड स्टोरी जैसी फिल्में बना चुके नीरज पांडे आखिरी बार अजय देवगन और तब्बू की औरों में कहां दम था में नजर आए थे। इस नई फिल्म की कहानी 60 करोड़ के हीरे की चोरी, उसकी तलाश और एक पुलिस इंस्पेक्टर की जिद के इर्द-गिर्द घूमती है। तमन्ना भाटिया इस साल स्त्री 2 में अपने कैमियो और आइटम डांस नंबर आज की रात से काफी चर्चा में रही हैं।

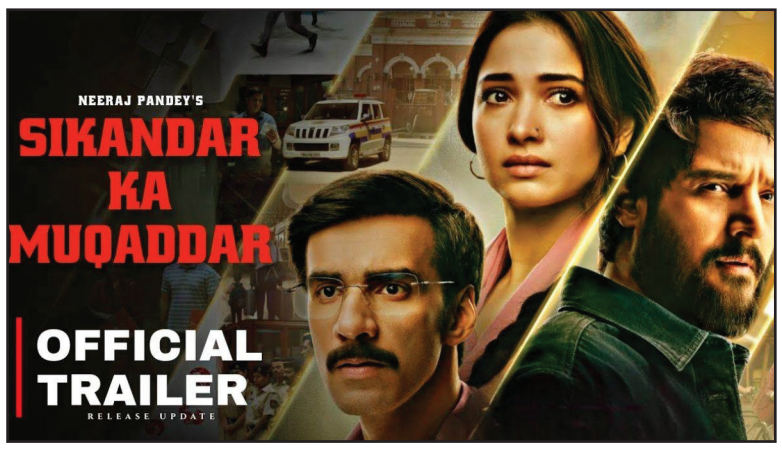

शक्तिमान बन फिर धूम मचाएंगे मुकेश खन्ना

सुपरहीरो ने दिखाई पहली झलक

90 के दशक में धमाका कर शक्तिमान सभी का सुपरहीरो से सुपर टीचर बन गया। बच्चों से लेकर बड़ों तक हर किसी को मुकेश खन्ना का किरदार इतना पसंद है कि आज भी लोग उनके इस धारावाहिक के बारे में बात करते रहते हैं। टीवी पर 1997 से 2005 तक राज करने वाला ये बेहतरीन शो रविवार के दिन दोपहर के 12 बजे प्रसारती होता था। इसी वजह से इसे दूरदर्शन का सबसे कल्ट शो माना जाता है। अब एक बार फिर शक्तिमान लोगों के बीच चर्चा में आ गया है। इस मशहूर शो के साथ देश के सबसे पसंदीदा सुपरहीरो मुकेश खन्ना वापसी करने के लिए तैयार हैं। मुकेश खन्ना ने अपने सोशल मीडिया पर प्रशंसकों को एक खुशखबरी दी है और अपने आधिकारिक यूट्यूब चैनल भीष्म इंटरनेशनल पर एक टीजर भी शेयर किया है। टीजर के साथ उन्होंने लिखा, उनके लौटने का समय आ गया है। हमारे पहले भारतीय सुपर टीचर- सुपर हीरो का। हां! जैसा कि अंधकार और बुराई आज के बच्चों पर हावी हो रही है... उनके लौटने का समय आ गया है। वह एक संदेश लेकर लौटे हैं। वह एक शिक्षा लेकर लौटे हैं। आज की पीढ़ी के लिए। उनका स्वागत करें। दोनों हाथों से !!!!! अभी देखें टीजर। आयरन मैन, स्पाइडर मैन और बैटमैन जैसे सुपरहीरो के भारत में छाने से पहले एक ऐसे सुपरहीरो का बोलबाला था, जिसे शायद कभी कोई नहीं भूल सकता है और उनका नाम शक्तिमान है। ये हीरो स्क्रीन पर एक बार फिर रोमांचक वापसी करने के लिए पूरी तरह से तैयार है। क्लिप में मुकेश को शक्तिमान के रूप में दिखाया गया है। वह एक स्कूल परिसर में उतरते दिखाई दे रहे हैं जहां वह गाना शुरू करता है, आजादी के दीवानों ने जंग लड़ी फिर जाने दी, अंग अंग कट गए मगर अंच वतन पर न आने दी... वह चंद्रशेखर आजाद, भगत सिंह और सुभाष चंद्र बोस जैसे नायकों की तस्वीरों को देखते हुए यह गीत गाते हैं। शक्तिमान एक टीवी सीरीज थी जो 1997 में दूरदर्शन पर प्रसारित हुई थी। मुकेश खन्ना द्वारा अभिनीत इस शो में किटू गिडवानी, वैष्णवी, सुरेंद्र पाल और टॉम ऑल्टर जैसे कलाकार थे। ये 90 के दशक का सबसे पॉपुलर शो रहा और लगभग आठ वर्षों में 450 एपिसोड प्रसारित हुए। शक्तिमान का किरदार एक सुपरह्यूमन है, जिसमें रहस्यमयी और अलौकिक शक्तियां हैं जिसे संतों के एक रहस्यमयी संप्रदाय द्वारा दुनिया में बुराई से लड़ने का काम सौंपा गया है।

लहंगा चोली पहन अवनीत कौर ने कैमरे के सामने दिए किलर पोज, दिलकश अदाओं से लूटी लाइमलाइट

टीवी से बॉलीवुड तक का सफर तय करने वाली एक्ट्रेस अवनीत कौर आज किसी भी पहचान की मोहताज नहीं हैं। उन्होंने अपनी हॉटनेस और स्टाइलिश फैशन स्टेटमेंट्स से फैंस को इस कदर दीवाना बनाया है कि लोग उनकी तारीफ करते नहीं थकते हैं। हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने लेटेस्ट एथनिक लुक से सोशल मीडिया का तापमान बढ़ा दिया है। इन फोटोज में उनकी कातिलाना अदाएं देखकर फैंस मंत्रमुग्ध हो गए हैं। 23 साल की अवनीत कौर आए दिन फैंस को अपनी फोटोज इंस्टाग्राम पर पोस्ट कर के विजुअल ट्रीट देती रहती हैं। उनकी हॉटनेस देखकर अक्सर फैंस अपने होश खो बैठते हैं। अब हाल ही में अवनीत कौर ने अपनी लेटेस्ट एथनिक वियर में फोटोज शेयर की हैं। इन तस्वीरों में उनका कातिलाना अंदाज देखकर लोग उनकी तारीफों के पुल बांधते नहीं थक रहे हैं। अवनीत कौर ने लेटेस्ट फोटोशूट के दौरान ब्लू कलर का लहंगा पहना हुआ था, जिसमें वो बला की खूबसूरत नजर आ रही थीं। उनका ये कातिल अवतार इंटरनेट पर आते ही तबाही मचाने लगा। कानों में इयररिंग्स और ग्लैम मेकअप कर के एक्ट्रेस अवनीत कौर ने अपने आउटलुक को कंप्लीट किया। इस दौरान उनकी शोख अदाओं ने फैंस के बीच महफिल लूट ली। फोटोज में आप देख सकते हैं एक्ट्रेस अवनीत कौर कैमरे के सामने प्यारी सी स्माइल देते हुए हॉट फोटोशूट करवा रही हैं। उनके चेहरे पर प्यारी सी मुस्कान उनके इस लुक पर चार चांद लगा रही है। बताते चलें कि एक्ट्रेस सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। फैंस भी उनकी हर एक फोटोज के पोस्ट होने का इंतजार बेसब्री से करते हैं।

बिग बॉस 18 में अदिति मिस्त्री की वाइल्ड कार्ड एंट्री ने सर्दी में बढ़ा दिया तापमान

टीवी रियलिटी शो बिग बॉस 18 में वाइल्ड कार्ड के तौर पर अदिति मिस्त्री की एंट्री हुई है। अदिति के घर में आते ही घर का तापमान बढ़ गया है। अदिति की बोल्ड तस्वीरें सोशल मीडिया पर धमाल मचा रही है। बिग बॉस के घर में भी अदिति का बोल्ड अंदाज ही नजर आ रहा है। इंस्टाग्राम पर अदिति मिस्त्री का अकाउंट वेरीफाइड नहीं है लेकिन उनके फॉलोअर्स की संख्या 2.4 मिलियन है। इसी से उनकी लोकप्रियता का अंदाजा लगाया जा सकता है। सोशल मीडिया पर अदिति मिस्त्री की बेहद बोल्ड तस्वीरें मौजूद हैं। आदिति मिस्ट्री की तस्वीर ऐसी हैं कि उनके फैंस की नजर तस्वीरों पर से हटती ही नहीं। अदिति मिस्त्री इस समय बिग बॉस के घर में घर का तापमान बढ़ा रही हैं। उनकी बोल्ड अदाएं दर्शकों को कितनी पसंद आएगी यह आने वाले वक्त में पता चलेगा। लेकिन फिलहाल बिग बॉस के घर में मेल कंटेस्टेंट पर बिजलियां गिरा रही हैं। उन्हें मिली जुली प्रतिक्रिया मिल रही है, सोशल मीडिया पर लोग कह रहे हैं कि अदिति मिस्त्री के आने से शो की अश्लीलता बढ़ जाएगी। वहीं कुछ लोगों का यह कहना भी है कि उनके आने से ग्लैमर का तड़का लगेगा। मतलब रिस्पांस मिला-जुला है। बोल्ड तस्वीरों से आदिति मिस्ट्री के इंस्टाग्राम अकाउंट भरा पड़ा है। हर तस्वीर पर ढेर सारे कमेंट है कुछ कमेंट अच्छे हैं तो कुछ भद्दे भी हैं। अदिति मिस्त्री को फिलहाल लोग बिग बॉस के घर में वाइल्डकार्ड एंट्री के तौर पर पहचान रहे हैं। लेकिन वह एक बिजनेस वूमेन हैं और इनफ्लुएंसर हैं, जो कई सारे काम करती हैं। अदिति मिस्त्री फाइन आर्ट से जुड़ी हुई है और वह अपने फैंस को भी इसके बारे में बताती रहती हैं, इसी वजह से वह कई लोगों के लिए प्रेरणा भी बनी हुई है। एक्टर साहिल खान को डेट कर रही थी ऐसी खबरें भी सामने आई थी। फिलहाल उनका स्टेटस सिंगल है या फिर वो रिलेशनशिप में है यह क्या पाना अभी मुश्किल है, लेकिन बिग बॉस के घर में कहां कोई बात छिपती है। इस बात का पता चल ही जाएगा। लेकिन बिग बॉस के घर में इस समय तापमान बढ़ा हुआ है यह कहा जा सकता है।

Bihar Festival Aims to Increase Brother Hood Among Biharis - P Ratneshwar

Sagar Suraj

PATNA: The Bihar Festival, also known as Bihar Mahotsav, is just around the corner, scheduled for December 3rd and 4th at Shah Auditorium in Civil Lines, Delhi. This event celebrates Bihar's rich cultural heritage, showcasing its vibrant art, music, and traditions. Over 400 folk artists will perform, sharing their talents in folk songs, dance, music, and theater. The festival's founder, Prasad Ratneshwar, aims to promote unity and pride among Biharis living in Delhi.

This 21-year-old tradition began in 2003 and has grown into a significant cultural event. The theme this year focuses on folk flavors in art and culture. Prasad Ratneshwar, founder of Bihar Festival in Delhi and member of the Board of Governors of IZCC, Ministry of Culture, Government of India, is a resident of Bihar's Motihari. While talking to BNM, he informed that preparations for the Bihar Mahotsav in Delhi are in full swing. Ratneshwar, who has been active in the theatre of Motihari, Patna and Delhi for 41 years, said that the Bihar Mahotsav in Delhi is a new feeling of belongingness among their own people. Regarding the preparation and objective of Bihar Mahotsav, Ratneshwar said that he started Bihar

Mahotsav in the country's capital 21 years ago in 2003 by going from Motihari. More than four hundred folk artists are participating in this year's event. To create the atmosphere, the team of Bihar Mahotsav is already inspiring Biharis to be proud of their glorious art and culture, to preserve heritage and to unite among themselves through street plays and folk songs in different parts of Delhi. A new committee has been formed to make the event a success. Sub-committees have been formed under the leadership of successful Bihari brothers in Delhi, Tanveer Hasan, Sudhakar Sharan, Mohan Kumar Gupta, Rakesh Kumar Verma, Sanjeev Seth, Harishankar Singh, Neeraj Kumar, Deepak Mishra and others.

On the 21st anniversary of the Bihar Festival, the idea of 'Bihari Dost', formed to increase intimacy among the Biharis of Delhi, is taking concrete shape. Started as a cultural initiative of national unity and world brotherhood, this year's theme of this festival is - folk flavours of a special state in the field of art and culture. The cultural ritual of Bihar Mahotsav is organised on the birth anniversary of a political saint, 'Deshratna' Bihari Bhaiya Dr. Rajendra Prasad, the first President of India. There will be discussions on Bihar and Bihari culture on its non-political platform. In Bihar, important events like literature festival, theatre and short film festival will be held, while hundreds of Bihari folk artists will perform their traditional folk songs, dance, music, dance-drama. The entire event is completely free and open to all.

Squatters on Motijheel Bulldozed

Sagar Suraj

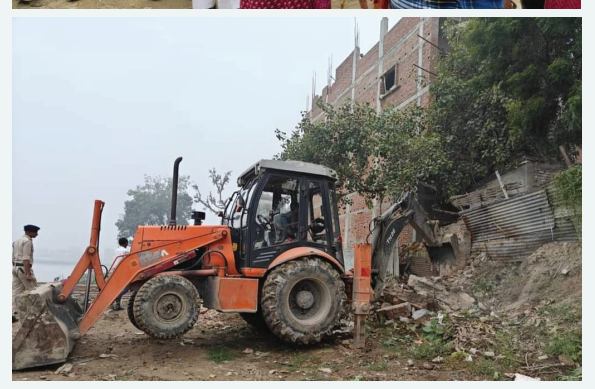

MOTIHARI : On Friday, under the leadership of Sub-Divisional Officer (SDO) Sadar and Sub-Divisional Police Officer Sadar, along with the police force, 10 houses erected encroaching Motijheel land was removed. These illegal constructions were hurdling roads being constructed on the banks of Motijheel, the heart of the city. The remaining encroachment will also be removed as per rules in days to come and the road construction work is also being done simultaneously, SDO said. It is to be noted here that all the encroachers were identified and served notices to vacate the lands.

Shraddha murder case accused Aftab is on the target of Lawrence Bishnoi gang

New Delhi-The life of Aftab Poonawala, accused in the Shraddha Walker murder case, is said to be in danger. According to sources, the Lawrence Bishnoi gang may target Aftab. After this news, the Tihar Jail administration is on high alert. Aftab, who is lodged in Tihar Jail, has been kept in Jail No. 4. There has been no official confirmation from the Mumbai Police but based on media reports, the jail administration has increased security. Let us tell you, in May 2022, Aftab killed Shraddha in Chhatarpur area of Delhi and cut her body into 35 pieces and threw it at different places. Gangster Lawrence Bishnoi's gang is known for many murders and crimes. Sources say that Lawrence Bishnoi gang is planning to kill Aftab. After this news, the Tihar Jail administration has increased Aftab's security. Shraddha and Aftab met through a dating app. Both of them fell in love with each other and started living in a live-in relationship. However, Shraddha's family was against this relationship. When Shraddha did not return home for a long time, her father filed a missing person report with the police.

20 Applications Disposed off In Janta Ke Darbar

BNM@MOTIHARI

Janta Ke Darbar organized on Friday in Dr. Radhakrishnan Bhawan Auditorium located in the Collectorate of the city. The problems of 20 applicants from different blocks of the district were heard by the officers under the chairmanship of ADM Disaster Management. Taking cognizance of the said complaints, ADM Disaster Management Rajeshwari Pandey said that the legal solution of the problem will be ensured soon by taking action at the level of the concerned officer on the applications received today. Most of the applications received were related to land dispute, encroachment, revenue department, for which the ADM directed the in-charge officer of the District Public Grievance Cell to send them to the concerned officer with necessary guidelines for quick disposal. On the occasion, ADM Disaster Management Rajeshwari Pandey and Senior Deputy Collector Yashwant Kumar met the people who came to the Janta Darbar and resolved their complaints.

Shyam Baba's birthday Celebrated With Religious Enthusiasm

Sanjeev Jaiswal from Rajasthan

KHATU (Rajasthan) : Khatu Wale Shyam Baba's birthday was celebrated in a grand manner in the atmosphere of special religious fervor on Kartik Shukla Ekadashi and Dev Uthani Ekadashi in Khatu Dham under Sikar district - proving to be an unforgettable experience for the devotees. At 12 o'clock in the night, the earth and the sky were illuminated with colorful fireworks. The administration and the temple committee had appealed not to do fireworks, but the devotees ignored it and burst crackers in abundance, while lakhs of devotees reached there at night to wish Happy Birthday to Khatu Wale Shyam with cake in their hands and in their hearts. During this, after offering Chhappan Bhog to Khatu Shyam, special worship was performed in the temple. Security arrangements were strengthened during the fair on the occasion.

The entire complex was being monitored through CCTV cameras and more than 400 security guards, 100 home guards and 500 RAC jawans were deployed for the security of the temple complex. Apart from this, policemen were also monitoring every arrangement at every nook and corner. Most of the houses and buildings here

were lit with golden color, due to which the whole area looked golden. The main gate of the temple was decorated on the theme of Shrinathji while the decoration inside the temple was based on the theme of greenery. The bansurinaama figures on both sides of Baba's idol and the golden lights on the 75 feet long ground presented a wonderful sight. The devotees were constantly being appealed to cooperate in this religious event and not to throw any items like perfume bottles, flowers etc. in the temple premises, put them in the containers made for that.

Shri Shyam Mandir Committee (Regd.) President Prithvi Singh Chauhan told that every year the birth anniversary of Khatu Shyam Ji is celebrated on Kartik Shukla Ekadashi, but Khatu Shyam's birth anniversary is celebrated on Falgun Shukla Ekadashi apart from Kartik Shukla Ekadashi, which is known as Lakkhi Mela. Shri Chauhan told that Khatu Shyam is known as Shyam Baba. Shyam Baba's real name is Barbarik who got a boon from Lord Shri Krishna that in Kaliyug he will be known by the name Shyam of Lord Shri Krishna. Even after donating his head in the Mahabharata war, he saw the entire war with his severed head and also gave the verdict of the war after the war ended. Later, according to the boon of Lord Shri Krishna, Khatu Shyam Ji's head was found from excavation in Sikar. For the Prasad, special Panchameva, Churma, Kesar Peda, Lalshikai and Chidawa's famous Peda, Savamani Peda and various types of sweet shops were decorated from the road to the temple premises.

Consensual relationship with a minor wife is also rape, High Court gives a big decision

Mumbai:. In an important decision, the Nagpur bench of the Bombay High Court has said that if the wife is below 18 years of age, a rape case can be registered against the accused even if the sex is consensual. The court upheld the conviction of the convict in this case and said that under the guidelines of the Supreme Court, sexual relations with a minor girl will be considered equivalent to rape, whether he is married or not. In its order delivered on November 12, Justice Govind Sanap's bench said that the accused's argument that the sexual intercourse was consensual and that he was the victim's husband cannot be valid. The victim had alleged that the accused had forced sexual intercourse on her and made a false promise of marriage.

On 9 September 2021, the trial court of Wardha district found the youth guilty under the CrPC Act. Now he has filed an appeal against the order in the High Court. The appellant was arrested on 25 May 2019 after the complaint of the minor girl. The special thing is that at that time the girl was 31 weeks pregnant. The victim said that there was a love affair between the two and the appellant forcibly had sex with her and continued it by making a false promise of marriage. After getting pregnant, the victim asked

the appellant to marry her. He then rented a house and in the presence of neighbours, he took her to his house and assured her that she was his wife. According to the report, he then forced the complainant to have an abortion. However, the victim refused and alleged assault. When the accused beat the victim at her parents' house, she realised that the appellant had pretended to marry her and exploited her. In cross examination in the trial court, the victim admitted that she had complained to the child welfare committee. Also, citing the photographs, she had told the officials that he was her husband.

Now on the basis of this, the appellant had said that the sexual relations were consensual. The bench said, 'In my opinion, there are more than one reason to not accept this argument. In this case, the prosecution has proved that the victim was below 18 years of age at the time of the crime.' The court dismissed the appeal.

Nalanda Gyan Kumbh Kalash Rath Yatra reached Motihari

BNM@MOTIHARI

The Kalash Yatra that started from BRABU, Muzaffarpur for the national convention to be held for Nalanda Gyan Kumbh reached the city's LND College on Thursday. Among the visiting guests were Principal of LND College, Prof. (Dr.) Rajesh Kumar Sinha, The Gyan Kumbh Rath was given a grand welcome by the professors, staff and students in the college campus. The B.Ed. department sang the welcome song and Mangalacharan.

The guests discussed the format of the program while highlighting the cultural and social values of India. Prof. Rajesh Sinha said that the day is not far when Nalanda will once again become the center of knowledge and research. During the program, History Department Head Dr. Subodh Kumar shared his views and said that in the Indian knowledge tradition, education is given about morality, universality and the purpose of life. Media in-charge Dr. Prabhakar Kumar said that the Gyan Kumbh Rath organized by the university will greatly facilitate in the personality development of the students.

There is a need to understand the objectives of this Gyan Kumbh properly. On this occasion, Prof. Durgesh Mani Tiwari, Dr. Deepak Kumar, Prof. Arvind Kumar, Dr. Kumar Rakesh Ranjan, Prof. Arvind Kumar, Prof. Rakesh Ranjan Kumar, Dr. Raviranjan Singh, Dr. Kavita Kumari, Dr. Manisha Kumari, Dr. Anita Kumari, Prof. K K Sinha, Dr. Priya Ranjan Jha, Prof. Jayanti Jha, Prof. Pramod Rai, Rajiv Kumar, Kamesh Bhushan, Amit Kumar, Ashutosh Kumar, Akhilesh Kumar, Alok Pandey, Rituranjan Singh, Manjay Thakur, Sunny, Anjali, Deepa Mishra, Saloni, Manisha Pandey, Nishi, Abhishek, Shubhangi Bharti, Manoj, Kiran and others were present.

Major operation of ATS and NCB in Gujarat, drugs worth more than Rs 700 crore seized

Porbandar: The Indian Coast Guard and Gujarat ATS on Friday seized about 500 kg of drugs from the Porbandar coast of Gujarat. The value of these drugs is estimated to be more than Rs 700 crore.

This action was taken under a special operation on the intervening night of Thursday-Friday, in which the help of intelligence from Delhi NCB (Narcotics Control Bureau) was taken. According to the investigating agencies, Delhi NCB had received concrete information about this drug, after which Gujarat NCB, Coast Guard and Indian Navy together carried out this big operation.

Sources said that the boat full of drugs is being brought to Porbandar coast, and soon detailed information about this case will be shared in a press conference. This action has created a stir among the security agencies, as it is believed to be one of the biggest consignments of drugs ever. After this operation, the investigation into the source of the drugs and the smuggling network has been intensified.

The investigating agencies are now trying to find out where these drugs were brought from and what was their real target. However, more information about this operation will be shared by the officials in a press conference after the boat is brought to Porbandar.

Govind Guru Tribal Area Development Scheme will benefit tribals

Banswara: Chief Minister Bhajanlal Sharma said that the state government is determined for the development of the Vagad region. Our government will always work to enhance the progress and pride of the tribal society. He said that the amount of work done during the tenure of Prime Minister Narendra Modi for the upliftment of the tribal class has never been done before. Sharma was addressing the Nawadi Yugdhara Praneta Sammelan program organized at Govind Guru Mahavidyalaya ground in Banswara district on the occasion of Tribal Pride Day on Friday. He said that Tribal Pride Day is being celebrated on the occasion of the 150th birth anniversary of Bhagwan Birsa Munda. Bhagwan Birsa Munda had dedicated his life to India's freedom struggle, heritage and culture. Contribution of tribal communities in freedom struggle and nation building The Chief Minister said that Tribal Pride Day is an opportunity for the countrymen to remember the contribution of tribal communities.